

प्रधानमंत्री कार्यालय

# 107वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री के सम्बोधन का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 03 JAN 2020 12:34PM by PIB Delhi

Friends, First and foremost I wish you all a happy 2020. May this year be marked by prosperity in your lives and productivity in your labs. I am particularly happy that one of my first programmes in the start of a new-year and new decade is linked to science, technology and innovation. This programme is happening in Bengaluru, a city linked with science and innovation. The last time I had come to Bengaluru was when the eyes of the nation were set on Chandrayan-2. That time, the manner in which our nation celebrated science, our space programme and the strengths of our scientists will always be a part of my memory.

Friends, Bengaluru, the city of gardens is now a wonderful field for start ups. The world is coming to innovate here. रिसर्च एंड डेवलपमेंट का एक ऐसा इकोसिस्टम इस शहर ने विकसित किया है, जिससे जुड़ना हर युवा साइंटिस्ट, हर Innovator, हर इंजीनियर का सपना होता है। लेकिन इस सपने का आधार क्या सिर्फ अपनी प्रगति है, अपना करियर है? नहीं। ये सपना जुड़ा हुआ है देश के लिए कुछ दिखाने की भावना से, अपनी अचीवमेंट को देश की अचीवमेंट बनाने से।

And Hence, When we start year 2020 with positivity and optimism of science and technology driven development, we take one more step in fulfilling our dream.

Friends,

I have been told that India has climbed to third position globally in the number of peer reviewed science and engineering publications. It is also growing at a rate of about 10% compared to around 4% global average. I am also happy to learn that India's ranking has improved in the Innovation Index to 52. Our programs have created more technology business incubators in the last five years than in the previous 50 years! I congratulate our scientists for these accomplishments.

Friends,

The growth story of India depends on its achievements in the Science & Technology sector. There is a need to revolutionise the landscape of Indian science, Technology and Innovation. My motto for the young scientists burgeoning in this country has been -"Innovate, Patent, Produce and Prosper". These four steps will lead our country towards faster development. If we innovate, we will patent and that in turn will make our production smoother and when we take these products to the people of our country, they will prosper. Innovation for the people and by the people is the direction of our 'New India'.

Friends,

न्यू इंडिया को टेक्नॉलॉजी भी चाहिए और लॉजिकल टेंपरामेंट भी, ताकि हमारे सामाजिक और आर्थिक जीवन के विकास को हम नई दिशा दे सकें। मेरा ये हमेशा से मत रहा है कि भारत के समाज को जोड़ने के काम में, अवसरों की समानता लाने में, साइंस और टेक्नॉलॉजी की बड़ी भूमिका है। अब जैसे Information and Communication Technology के विकास ने, भारत में ही बन रहे सस्ते स्मार्टफोन और सस्ते डेटा ने, एक बहुत बड़ी प्रिविलिज को खत्म किया है। इससे आज सामान्य से सामान्य नागरिक को भी विश्वास हुआ है कि वो अलग नहीं, वो भी सीधा सरकार से कनेक्टेड है, उसकी आवाज़ सीधे सरकार तक पहुंच रही है। ऐसे ही परिवर्तनों को हमें और प्रोत्साहित करना है, मज़बूत करना है।

साथियों, इस बार आपने, Rural Development में साइंस और टेक्नॉलॉजी की भूमिका पर चर्चा रखी है, इसलिए मैं इसी क्षेत्र की थोड़ा और विस्तार से बात करूंगा। बीते 5 वर्षों में Rural Development को देश के सामान्य मानवी ने महसूस किया है, अनुभव किया है। स्वच्छ भारत अभियान से लेकर आयुष्मान भारत तक, दुनिया की सबसे बड़ी योजनाएं, जो आज Effective Delivery के लिए सराही जा रही हैं, उनके पीछे की ताकत है- टेक्नॉलॉजी और Good-Effective Governance के लिए हमारी प्रतिबद्धता।

साथियों, आज देश में Governance के लिए, जितने बड़े पैमाने पर साइंस एंड टेक्नॉलॉजी का इस्तेमाल हो रहा है, उतना पहले कभी नहीं हुआ। कल ही हमारी सरकार ने, देश के 6 करोड़ किसानों को एक साथ, पीएम किसान सम्मान निधि का पैसा ट्रांसफर करके, एक रिकॉर्ड बनाया है। ये सब कैसे संभव हुआ? आधार Enabled technology की मदद से।

साथियों,

अगर देश के हर गांव तक, गरीब परिवार तक शौचालय पहुंचा है, बिजली पहुंची है तो, ये टेक्नॉलॉजी के कारण ही संभव हो पाया है। ये टेक्नॉलॉजी ही है जिसके कारण सरकार उन 8 करोड़ गरीब बहनों की पहचान कर पाई, जिनका जीवन लकड़ी के धुएं में बर्बाद हो रहा था। टेक्नॉलॉजी के उपयोग से लाभार्थी की पहचान तो हुई ही, साथ ही नए डिस्ट्रिब्यूशन सेंटर कहां और कितने बनने हैं, ये भी हम बहुत ही कम समय में तय कर पाए। आज गांव में सड़कें समय पर पूरी हो रही हैं, गरीबों के लिए 2 करोड़ से ज्यादा मकान अगर समय पर तैयार हो पाए हैं, तो इसके पीछे टेक्नॉलॉजी ही है। Geo Tagging और Data Science का उपयोग होने से अब प्रोजेक्ट्स की गति और तेज हुई है। Real Time Monitoring की व्यवस्था से योजना और लाभार्थी के बीच का गैप अब खत्म होने लगा है। समय पर काम पूरा होने से Cost Overrun और अधूरे प्रोजेक्ट्स को ही पास करने की जो शिकायतें आती थीं, वो भी अब खत्म हो रही हैं।

Friends, We are continuing our efforts to ensure the 'Ease of doing Science', and effectively using Information Technologies to reduce red tape. Today, farmers are able to sell their products directly to the market without being at the mercy of the middlemen. Digitalisation, E-commerce, internet banking and mobile banking services are assisting rural populations significantly. Today, farmers are getting the required information about the weather and forecasts at their fingertips through many e-governance initiatives.

साथियों, भारत के विकास में, विशेषतौर पर ग्रामीण विकास में टेक्नॉलॉजी की उपयोगिता को हमें और व्यापक बनाना है। आने वाला दशक भारत में साइंस एंड टेक्नॉलॉजी आधारित गवर्नेंस के लिए एक Decisive समय होने वाला है। विशेषतौर पर Cost Effective Agriculture और Farm to Consumer के बीच के सप्लाइ चेन नेटवर्क को लेकर अभूतपूर्व संभावनाएं टेक्नॉलॉजी लाने वाली है। इसका सीधा लाभ गांव को होने वाला है, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को होने वाला है। आप सभी को ये भी जानकारी है कि भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर जल पहुंचाने के लिए, एक बहुत बड़ा अभियान- जल जीवन मिशन शुरू किया गया है। इस अभियान की ताकत भी टेक्नॉलॉजी है। अब ये आपका दायित्व है कि पानी की Recycling

और Reuse के लिए प्रभावी और सस्ती टेक्नॉलॉजी कैसे विकसित करें। एक प्रकार से Water Governance आपके लिए एक नया फ्रंटियर है। घर के भीतर से निकलने वाले पानी को खेतों में सिंचाई के लिए उपयोग कर पाएं, इसके लिए सस्ता और प्रभावी समाधान आपको तैयार करना है। हमें ऐसे बीज भी तैयार करने होंगे जो पोषण से भी भरपूर हों और पानी का उपयोग कम करें। देशभर में जो सॉयल हेल्थ कार्ड दिए गए हैं, उस डेटा का उपयोग रोज़ाना की खेतीबाड़ी के काम में कैसे हो, इस पर भी नए सिरे से विचार करना होगा। सबसे अहम ये कि सप्लाई चैन में जो नुकसान हमारे किसानों को होता है, उससे बचाने के लिए तकनीकी समाधान बहुत ज़रूरी है।

साथियों,

गांव की अर्थव्यवस्था की एक और अहम कड़ी है हमारे लघु और मध्यम उद्योग यानि MSME. बदलते हुए समय में इनकी मजबूती भी आप सभी साथियों से जुड़ी हुई है। अब जैसे सिंगल यूज़ प्लास्टिक की ही बात लीजिए। देश ने सिंगल यूज़ प्लास्टिक मुक्ति पाने का संकल्प लिया है ताकि अपने पर्यावरण को, हमारे पशुओं, हमारी मछलियों को, हमारी मिट्टी को हम बचा सकें। लेकिन प्लास्टिक का सस्ता और टिकाऊ और कुछ नया विकल्प तो आपको खोजना होगा। मेटल हो, मिट्टी हो या फिर फाइबर, प्लास्टिक का विकल्प आपकी प्रयोगशाला से ही निकलेगा। Plastic Waste के साथ-साथ Electronic Waste से मेटल को निकालने और उसके Reuse को लेकर भी हमें नई तकनीक, नए समाधान की ज़रूरत है।

आप जो समाधान देंगे, वो समाधान हमारे ये लघु उद्योग, हमारे मिट्टी के कलाकार, लकड़ी के कलाकार बाज़ार में उतार पाएंगे। इससे पर्यावरण भी बचेगा और हमारे लघु उद्योगों का विकास भी होगा।

साथियों,

गांवों में ग्रीन, सर्कुलर और सस्टेनेबल इकॉनॉमी के लिए, ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए समर्पित स्टार्ट अप्स के लिए व्यापक संभावनाएं हैं। फसलों के अवशेष और घरों से निकलने वाला कचरा भी प्रदूषण और गंदगी को लेकर चुनौती पैदा कर रहे हैं। इस Waste को भी हमें Wealth में बदलने के लिए तेजी से कोशिश करनी ही होगी। हमारा प्रयास है कि साल 2022 तक हम कच्चे तेल के आयात को कम से कम 10 प्रतिशत कम कर सकें। लिहाज़ा बायोफ्यूल, इथेनॉल निर्माण के क्षेत्र में Start Ups के लिए, बहुत संभावनाएं हैं।

ऐसे में Industry आधारित रिसर्च को हमें अधिक प्रोत्साहन देना होगा, हर स्टॉक होल्डर के बीच संवाद को हमें विकसित करना होगा। याद रखिए, आपका यही योगदान भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर इकॉनॉमी बनाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाएगा।

Friends, There is a need for revolution in technologies assisting agricultural practices. Can we find farmer-centric solutions to the problem of stalk burning for instance? Can we also redesign our brick kilns for reduced emissions and greater energy efficiency? We need to find better and faster solutions to the problem of clean drinking water supplies around the country. How do we prevent effluents and discharge from industries from ruining our soil and our groundwater tables for years to come?

Friends,

Another important point I wish to make is the significance of Make in India” in medical devices to bring the fruits of advances in diagnostics to our people.

Mahatma Gandhi once said, “It is health that is the real wealth and not pieces of gold and silver.” To promote well-being, we should not only practice some of the tested traditional wisdom, but also continuously enlarge its scope by introducing the modern tools and concepts of contemporary biomedical research.

Our vision should be to protect people from the threats of dangerous communicable diseases like Nipah, Ebola, etc. We must work overtime to fulfil the promise to eradicate Tuberculosis by 2025. Globally, India is the leader in the supply of vaccines. We aim to develop India as a world-class, US\$100 billion Bio-manufacturing hub by 2024. This will happen with right policy initiatives and support to innovative research, human resource development and entrepreneurial ecosystem.

Friends,

India must also develop a long term roadmap for sustainable and environment friendly transportation and energy storage options. The latter becomes increasingly significant for grid management as we expand our renewal energy supply. These require developing new battery types which are based on earth abundant, environmentally benign materials which are not monopolistic, are affordable on 100s of giga watt scales, and suitable for tropical climates.

Friends, The economic and social benefits of accurate weather and climate forecasting are immense. There have been considerable improvements in weather forecast and warning services especially in case of Tropical cyclones. This is evident from large reduction in casualties. Our successes in space exploration should now be mirrored in the new frontier of the deep sea. We need to explore, map and responsibly harness the vast oceanic resources of water, energy, food and minerals. This requires developing deep strengths in manned submersibles, deep sea mining systems and autonomous underwater vehicles. This, I hope will be made possible by a ‘Deep Ocean Mission’ being formulated by the Ministry of Earth Sciences.

Friends,

I have learned from the scientists that the potential energy, the silent form of energy, can move mountains by its conversion to the kinetic energy of motion. Can we build a Science in Motion? Imagine the enormous impact of a full translation of our scientific potential into an unprecedented socio-economic development through relevant technologies, innovations, startups and industry. Can we have this high pressure steam drive a high speed engine of Science & Technology to navigate and connect the new India of opportunities?

साथियों,

टेक्नॉलॉजी सरकार और सामान्य मानवी के बीच का ब्रिज है। टेक्नॉलॉजी तेज़ विकास और सही विकास में संतुलन का काम करती है। टेक्नॉलॉजी का अपना Bias, अपना पक्ष नहीं होता, वो निष्पक्ष होती है। यही कारण है कि जब Human Sensitivity और Modern Technology का coordination बढ़ता है तो unprecedented result मिलते हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि नए वर्ष में, नए दशक में, न्यू इंडिया के नए Attitude, नई Approach को हम मिलकर और सुदृढ़ कर पाएंगे। एक बार फिर आप सभी को, पूरे वैज्ञानिक समुदाय को और आपके परिवार को नव वर्ष की मंगलकामनाएं। बहुत-बहुत धन्यवाद !

\*\*\*\*\*

**वी.रवि रामाकृष्णा/कंचन पतियाल/बाल्मीकि महतो/नवनीत कौर**

(रिलीज़ आईडी: 1598504) आगंतुक पटल : 194

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: Marathi , Kannada , Urdu , Punjabi , Gujarati , Tamil , Bengali , English

प्रधानमंत्री कार्यालय

# स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2020 के ग्रैंड फिनाले पर प्रधानमंत्री के सम्बोधन का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 01 AUG 2020 7:08PM by PIB Delhi

आप एक से बढ़कर एक Solutions पर काम कर रहे हैं। देश के सामने जो Challenges हैं, ये उनका Solution तो देते ही हैं, Data, Digitization और Hi-tech Future को लेकर भारत की Aspirations को भी मज़बूत करते हैं।

साथियों, हमें हमेशा से गर्व रहा है कि बीती सदियों में हमने दुनिया को एक से बढ़कर एक बेहतरीन साइंटिस्ट, बेहतरीन Technicians, Technology Enterprise leaders दिए हैं। लेकिन ये 21वीं सदी है और तेजी से बदलती हुई दुनिया में, भारत को अपनी वही प्रभावी भूमिका निभाने के लिए उतनी ही तेजी से हमें खुदको भी बदलना होगा।

इसी सोच के साथ अब देश में Innovation के लिए, Research के लिए, Design के लिए, Development के लिए, Enterprise के लिए ज़रूरी Eco-system तेजी से तैयार किया जा रहा है। अब बहुत ज्यादा जोर दिया जा रहा है Quality of Education पर, 21वीं सदी की Technology को साथ लेकर, 21वीं सदी की जरूरतों को पूरा करने वाली Education system भी उतनी ही ज़रूरी है।

प्रधानमंत्री ई-विद्या कार्यक्रम हो या फिर अटल इनोवेशन मिशन, देश में साइंटिफिक टेम्परेमेंट बढ़ाने के लिए अनेक क्षेत्रों में स्कॉलरशिप का विस्तार हो, या स्पोर्ट्स की दुनिया से जुड़े Talent को मॉडर्न फेसिलिटीज और आर्थिक मदद, रीसर्च को बढ़ावा देने वाली योजनाएं हों या फिर भारत में वर्ल्ड क्लास 20 Institutes of Eminence के निर्माण का मिशन, ऑनलाइन एजुकेशन के लिए नए संसाधनों का निर्माण हो या फिर स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन जैसे ये अभियान, प्रयास यही है कि भारत की Education और आधुनिक बने, मॉडर्न बने, यहां के Talent को पूरा अवसर मिले।

साथियों, इसी कड़ी में कुछ दिन पहले देश की नई Education Policy का ऐलान किया गया है। ये पॉलिसी, 21वीं सदी के नौजवानों की सोच, उनकी जरूरतें, उनकी आशाओं-अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को देखते हुए बनाने का व्यापक प्रयास हुआ है। 5 वर्ष तक देश-भर में इसके हर बिंदु पर व्यापक Debate और Discussions हुए हैं, हर स्तर पर हुए, तब जाकर ये नीति बनी है।

ये सच्चे अर्थ में पूरे भारत को, भारत के सपनों को, भारत के भावी पीढ़ी की आशा आकांक्षाओं को अपने में समेटे हुए नए भारत की शिक्षा नीति आयी है। इसमें हर क्षेत्र, हर राज्य के विद्वानों के विचारों को समाहित किया गया है। इसलिए ये सिर्फ एक Policy Document नहीं है बल्कि 130 करोड़ से अधिक भारतीयों की Aspirations का Reflection भी है।

साथियों, आप भी अपने आसपास देखते होंगे, आज भी अनेक बच्चों को लगता है कि उनको एक ऐसे विषय के आधार पर जज किया जाता है, जिसमें उसका इंटरेस्ट ही नहीं है। मां-बाप का, रिश्तेदारों का, दोस्तों का, पूरे environment का प्रेशर होता है तो वो दूसरों द्वारा चुने गए सबजेक्ट्स पढ़ने लगते हैं। इस अप्रोच ने देश को एक बहुत बड़ी आबादी ऐसी दी है, जो पढ़ी-लिखी तो है, लेकिन जो उसने पढ़ा है उसमें से अधिकांश, उसके काम नहीं

आता। डिग्रियों के अंबार के बाद भी वो अपने आप में एक अधूरापन महसूस करता है। उसके भीतर जो आत्मविश्वास पैदा होना चाहिए, जो Confidence आना चाहिए, उसकी कमी वह महसूस करता है। इसका प्रभाव उसकी पूरी लाइफ की Journey पर पड़ता है।

साथियों, नई एजुकेशन पॉलिसी के माध्यम से इसी अप्रोच को बदलने का प्रयास किया जा रहा है, पहले की कमियों को दूर किया जा रहा है। भारत की शिक्षा व्यवस्था में अब एक सिसटेमिक रिफॉर्म, शिक्षा का Intent और Content, दोनों को Transform करने का प्रयास है।

Friends,

The 21st century is the era of knowledge. This is the time to increase focus on: Learning, Research, Innovation. And, this is exactly what India's National Education Policy, 2020 does. This Policy wants to make your School, College and University experience: Fruitful Broad-based. One that guides you to your natural passions.

Friends, You are among the best and brightest of India. This Hackathon is not the first problem you have tried to solve. Nor is this the last. I want you, and youngsters like you not to stop doing three things: Learning, Questioning, Solving.

When you learn, you get the wisdom to question. When you question, you get out-of-the-box methods to solve problems. When you do that, you grow. Due to your effort, our nation grows. Our planet prospers .

Friends, India's National Education Policy reflects these spirits. We are shifting from: The burden of the school bag, which does not last beyond school. To the boon of learning which helps for life. From simply memorizing to critical thinking. For years, the limitations of the system had an adverse effect on the lives of students. No longer! The National Education Policy reflects the aspirations of young India. It is not process centric, It is people centric and future centric.

Friends, Among the most exciting things of the Policy is the emphasis on inter-disciplinary study. This concept has been gaining popularity. And, rightly so. One size does not fit all. One subject does not define who you are. There are no limits to discovering something new. Human history has many examples of stalwarts who have excelled in diverse areas. Be it Aryabhata, Leonardo da Vinci, Helen Keller, Gurudev Tagore. Now, we have done away with some traditional boundaries between arts, science, commerce. If someone is interested, they can learn: Maths and Music together, or Coding and Chemistry together. This will ensure the focus is on what the student wants to learn. Rather than what the student is expected to, by society. Inter-disciplinary studies gives you control. In the process, it also makes you flexible.

In the National Education Policy, Flexibility has been given great importance. There are provisions for multiple entry and exits. No one way streets for a student. The Under-Graduate experience can either be a three or four year journey. Students will enjoy the advantages of an Academic Bank of Credit, which will store all the academic credits



acquired. These can be transferred and counted in the final degree. Such flexibility was long needed in our education system. I am happy the National Education Policy has addressed this aspect .

Friends, National Education Policy is big on access to education starting from primary education. In Higher Education, the aim is to increase Gross Enrolment Ratio to 50 percent by 2035. Other efforts be it Gender Inclusion Fund, Special Education Zones, options for Open and Distance Learning will also help.

साथियों, हमारे संविधान के मुख्य शिल्पी, हमारे देश के महान शिक्षाविद बाबा साहेब आंबेडकर कहते थे कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो सभी की पहुंच में हो, सभी के लिए सुलभ हो। ये शिक्षा नीति, उनके इस विचार को भी समर्पित है। ये Education Policy, Job seekers के बजाय Job Creators बनाने पर बल देती है। यानि एक प्रकार से ये हमारे Mindset में, हमारी अप्रोच में ही रिफॉर्म लाने का प्रयास है। इस पॉलिसी के फोकस में एक ऐसे आत्मनिर्भर युवा का निर्माण करना है, जो ये तय कर पाएगा कि उसको Job करनी है, Service करनी है या फिर Entrepreneur बनना है।

साथियों, हमारे देश में भाषा- Language हमेशा से एक संवेदनशील विषय रही है। इसी एक बड़ी वजह ये है कि हमारे यहां स्थानीय भाषा को अपने हाल पर ही छोड़ दिया गया, उसे पनपने और आगे बढ़ने का मौका बहुत कम मिला। अब एजुकेशन पॉलिसी में जो बदलाव लाए गए हैं, उससे भारत की भाषाएं आगे बढ़ेंगी, उनका और विकास होगा। ये भारत के ज्ञान को तो बढ़ाएंगी ही, भारत की एकता को भी बढ़ाएंगी। हमारी भारतीय भाषाओं में कितनी ही समृद्ध रचनाएं हैं, सदियों का ज्ञान है, अनुभव है, इन सबका अब और विस्तार होगा। इससे विश्व का भी भारत की समृद्ध भाषाओं से परिचय होगा। और एक बहुत बड़ा लाभ ये होगा की विद्यार्थियों को अपने शुरुआती वर्षों में अपनी ही भाषा में सीखने को मिलेगा।

इससे उनका टैलेंट और पुष्पित पल्लवित होने के लिए मैं समझाता हुआ बहुत अवसर होगा, वो सहज होकर, बिना दबाव के नयी चीज़ें सीखने के लिए प्रेरित होगा, के शिक्षा से जुड़ पाएंगे। वैसे भी आज GDP के आधार पर विश्व के top 20 देशों की लिस्ट देखें तो ज्यादातर देश अपनी गृह भाषा, मातृ भाषा में ही शिक्षा देते हैं। ये देश अपने देश में युवाओं की सोच और समझ को अपनी भाषा में विकसित करते हैं और दुनिया के साथ संवाद के लिए दूसरी भाषाओं पर भी बल देते हैं। यही नीति और रणनीति 21वीं सदी के भारत के लिए भी बहुत उपयोगी होने वाली है। भारत के पास तो भाषाओं का अद्भुत खज़ाना है, जिनको सीखने के लिए एक जीवन भी कम पड़ जाता है और आज दुनिया भी उसके लिए ललायित है।

साथियों, नई शिक्षा नीति की एक और खास बात है। इसमें Local पर जितना फोकस है, उतना ही उसको Global के साथ Integrate करने पर भी बल दिया गया है। एक ओर जहां स्थानीय लोक कलाओं और विद्याओं, शास्त्रीय कला और ज्ञान को स्वभाविक स्थान देने की बात है तो वहीं Top Global Institutions को भारत में campus खोलने का आमंत्रण भी है। इससे हमारे युवाओं को भारत में ही World Class Exposure और Opportunities भी मिलेंगी और Global Competition के लिए ज्यादा तैयारी भी हो सकेगी। इससे भारत में विश्वस्तरीय संस्थान के निर्माण में, भारत को ग्लोबल एजुकेशन का हब बनाने में भी बहुत सहायता मिलेगी।

साथियों, देश की युवा शक्ति पर मुझे हमेशा से बहुत भरोसा रहा है। ये भरोसा क्यों है, ये देश के युवाओं ने बार-बार साबित किया है। हाल ही में कोरोना से बचाव के लिए फेस शील्ड्स की डिमांड एकदम बढ़ गई थी। इस डिमांड को 3D Printing टेक्नॉलॉजी के साथ पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर देश के युवा आगे आए। PPEs और दूसरे Medical Devices के लिए जिस प्रकार देश के युवा इनोवेटर्स, युवा Entrepreneurs सामने आए हैं, उसकी चर्चा हर तरफ है। आरोग्य सेतु ऐप के रूप में युवा डेवलपर्स ने कोविड की ट्रैकिंग के लिए एक बेहतरीन मीडियम देश को बहुत कम समय में तैयार करके दिया है।

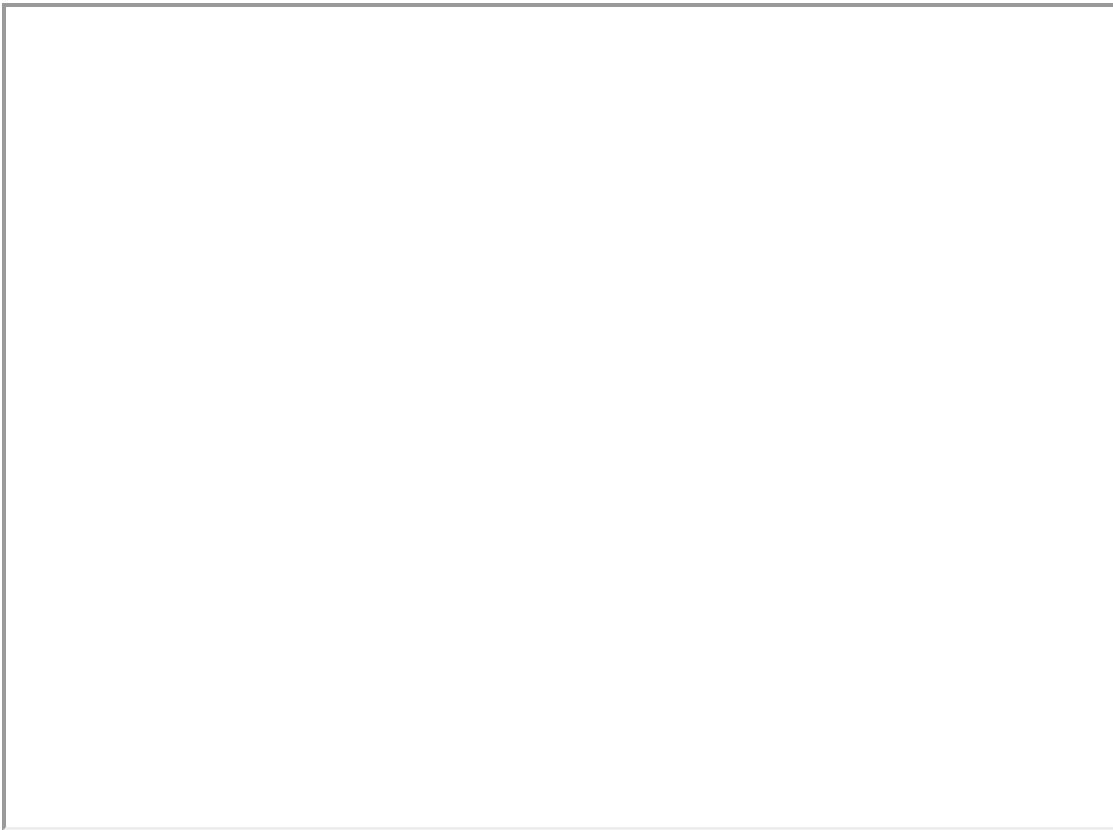


साथियों, आप सभी युवा, आत्मनिर्भरता के लिए भारत की Aspiration की ऊर्जा हैं। देश के गरीब को एक Better Life देने के, Ease of Living के हमारे लक्ष्य को हासिल करने में आप सभी युवाओं की भूमिका बहुत अहम है। मेरा हमेशा से ये मानना रहा है कि देश के सामने आने वाली ऐसी कोई चुनौती नहीं है जिससे हमारा युवा टक्कर ना ले सके, उसका समाधान ना ढूंढ सके। हर जरूरत के समय जब भी देश ने अपने युवा इनोवेटर्स की तरफ देखा है, उन्होंने निराश नहीं किया है।

स्मार्ट इंडिया हैकथॉन के माध्यम से भी बीते सालों में अद्भुत Innovations देश को मिले हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि इस Hackathon के बाद भी आप सभी युवा साथी, देश की जरूरतों को समझते हुए, देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए, नए-नए solutions पर काम करते रहेंगे।

एक बार फिर आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूँ।

बहुत-बहुत धन्यवाद।



\*\*\*\*\*

VRRK/KP

(रिलीज़ आईडी: 1642911) आगंतुक पटल : 528

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English , Urdu , Marathi , Bengali , Manipuri , Assamese , Punjabi , Gujarati , Odia , Tamil , Telugu , Kannada , Malayalam



प्रधानमंत्री कार्यालय

# प्रधानमंत्री का 'सामाजिक अधिकार प्रदान करने के लिए जिम्मेदार आर्टिफिशल इंटेलीजेंस' के उद्घाटन पर संबोधन

प्रविष्टि तिथि: 05 OCT 2020 9:20PM by PIB Delhi

देश-विदेश के गणमान्य अतिथिगण, नमस्ते!

सामाजिक अधिकारिता शिखर सम्मेलन के लिए जिम्मेदार आर्टिफिशल इंटेलीजेंस, रोज में आपका स्वागत है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर चर्चा को प्रोत्साहित करने के लिए यह एक शानदार प्रयास है। आप सभी ने प्रौद्योगिकी और मानव सशक्तिकरण से संबंधित पहलुओं पर उचित तरीके से प्रकाश डाला है। प्रौद्योगिकी ने हमारे कार्य स्थलों को बदल दिया है। इससे सम्पर्क बढ़ाने में मदद मिली है। अनेक बार, प्रौद्योगिकी ने महत्वपूर्ण चुनौतियों का हल निकालने में हमारी मदद की है। मुझे यकीन है कि सामाजिक जिम्मेदारी और आर्टिफिशल इंटेलीजेंस के मिलने से यह मानव स्पर्श के साथ आर्टिफिशल इंटेलीजेंस को समृद्ध करेगा।

मित्रो ,

कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानवीय बौद्धिक शक्ति के लिए सम्मान की बात है। सोचने की शक्ति ने मनुष्य को उपकरण और तकनीक बनाने में सक्षम बनाया। आज, इन उपकरणों और प्रौद्योगिकियों ने सीखने और सोचने की शक्ति भी हासिल कर ली है! इसमें एक प्रमुख उभरती तकनीक आर्टिफिशल इंटेलीजेंस है। इंसान के साथ आर्टिफिशल इंटेलीजेंस का टीमवर्क हमारे ग्रह में चमत्कार कर सकता है।

मित्रो

इतिहास के हर कदम पर, ज्ञान और अध्ययन के मामले में भारत ने दुनिया का नेतृत्व किया है। आज आईटी के इस युग में, भारत उत्कृष्ट योगदान दे रहा है। कुछ प्रतिभाशाली तकनीकी विशेषज्ञ भारत के हैं। भारत वैश्विक आईटी सेवा उद्योग के लिए अत्यधिक ताकतवर साबित हुआ है। हम दुनिया को डिजिटल रूप से उत्कृष्ट और खुशहाल बनाए रखेंगे।

मित्रो

भारत में, हमने अनुभव किया है कि प्रौद्योगिकी पारदर्शिता और सेवा वितरण में सुधार करती है। हम दुनिया की सबसे बड़ी विशिष्ट पहचान प्रणाली- आधार का घर है। हमारे पास दुनिया की सबसे नवीन डिजिटल भुगतान प्रणाली-यूपीआई भी है। इसने वित्तीय सेवाओं सहित डिजिटल सेवाओं तक पहुंच प्रदान करने में सक्षम बनाया है, जैसे गरीबों और उपेक्षित लोगों को सीधे नकद हस्तांतरण। महामारी की स्थिति में, हमने देखा कि कैसे भारत की डिजिटल तत्परता से बहुत मदद मिली। हम जल्द से जल्द और सबसे कुशल तरीके से मदद के साथ लोगों तक पहुंचें। भारत अपने ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क का तेजी से विस्तार कर रहा है। इसका उद्देश्य प्रत्येक गांव को हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करना है।

मित्रो

अब, हम चाहते हैं कि भारत आर्टिफिशल इंटेलीजेंस के लिए एक वैश्विक केन्द्र बने। कई भारतीय पहले से ही इस पर काम कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में और भी बहुत कुछ करेंगे। इसके लिए हमारा दृष्टिकोण टीमवर्क, विश्वास, सहयोग, जिम्मेदारी और समावेश: के मुख्य सिद्धांतों द्वारा संचालित है।

मित्रो

भारत ने हाल ही में **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020** को अपनाया है। यह प्रौद्योगिकी आधारित अध्ययन और शिक्षा के प्रमुख भाग के रूप में कौशल पर केंद्रित है। ई-पाठ्यक्रम विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों में भी विकसित किया जाएगा। इस पूरे प्रयास से आर्टिफिशल इंटेलीजेंस मंचों की प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (एनएलपी) क्षमताओं से लाभ होगा। हमने इस वर्ष अप्रैल में युवा कार्यक्रम के लिए जिम्मेदार आर्टिफिशल इंटेलीजेंस की शुरुआत की, इस कार्यक्रम के तहत, स्कूलों के 11000 से अधिक छात्रों ने बुनियादी पाठ्यक्रम पूरा किया। वे अब अपनी आर्टिफिशल इंटेलीजेंस परियोजनाएं तैयार कर रहे हैं।

मित्रो

राष्ट्रीय शैक्षणिक प्रौद्योगिकी मंच (एनईटीएफ) का गठन किया जा रहा है। यह डिजिटल बुनियादी ढांचे, डिजिटल सामग्री और क्षमता को बढ़ावा देने के लिए एक ई-शिक्षा इकाई का गठन करेगा। शिक्षार्थियों को अनुभव प्रदान करने के लिए वर्चुअल प्रयोगशालाओं की स्थापना की जा रही है। हमने नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए अटल इनोवेशन मिशन भी शुरू किया है। इन कदमों के माध्यम से, हम लोगों के लाभ के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ तालमेल करना चाहते हैं।

मित्रो

मैं **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर राष्ट्रीय कार्यक्रम** के बारे में भी बताना चाहूंगा। यह समाज की समस्याओं के समाधान के लिए आर्टिफिशल इंटेलीजेंस के सही उपयोग के लिए समर्पित होगा। इसे सभी हितधारकों के सहयोग से लागू किया जाएगा। रोज़ इस संबंध में एक सूझ का मंच हो सकता है। मैं आप सभी को इन प्रयासों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए आमंत्रित करता हूँ।

मित्रो

कुछ चुनौतियाँ हैं जिन्हें मैं इन सम्मानित श्रोताओं के सामने रखना चाहूँगा। क्या हम अपनी संपत्ति और संसाधनों के इष्टतम प्रबंधन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग कर सकते हैं? कुछ स्थानों पर, संसाधन निष्क्रिय पड़े हैं। जबकि अन्य जगहों पर संसाधनों की कमी है। क्या हम अधिकतम उपयोग का पता लगाने के लिए उन्हें जोशीले तरीके से दोबारा बांट सकते हैं? क्या हम अपने नागरिकों को उनके दरवाजे पर सेवाओं के सक्रिय और शीघ्र वितरण से प्रसन्न कर सकते हैं?

मित्रो

भविष्य युवाओं का है। और, हर नौजवान मायने रखता है। प्रत्येक बच्चे में अद्वितीय प्रतिभाएं, क्षमताएं और योग्यताएं होती हैं। कई बार, सही व्यक्ति गलत जगह पर पहुंच जाता है।

एक तरीका है जिससे हम उसे बदल सकते हैं। बड़ा होने के दौरान हर बच्चा खुद को कैसे देखता है? क्या माता-पिता, शिक्षक और दोस्त बच्चों का ध्यानपूर्वक निरीक्षण कर सकते हैं? उन्हें बचपन से वयस्कता की शुरुआत तक देखें और, उनका एक रिकॉर्ड रखें। यह एक बच्चे को उसकी सहज प्रतिभा खोजने में मदद करने के लिए एक लंबा रास्ता तय करेगा। इस तरह की निगरानी युवाओं के लिए

प्रभावी मार्गदर्शक हो सकती है। क्या हमारे पास एक ऐसी प्रणाली हो सकती है जो प्रत्येक बच्चे की योग्यता पर एक विश्लेषणात्मक रिपोर्ट देती हो? इससे कई युवाओं के लिए अवसर के द्वार खुलेंगे। इस तरह के मानव संसाधन मानचित्रण का सरकारों और व्यवसायों में लंबे समय तक लाभ होगा।

मित्रो

कृषि, स्वास्थ्य सेवा को सशक्त बनाने, अगली पीढ़ी के शहरी बुनियादी ढांचे के निर्माण और, शहरी मुद्दों के समाधान : जैसे ट्रैफिक जाम को कम करने, सीवेज सिस्टम में सुधार और हमारी ऊर्जा ग्रिड बिछाने में आर्टिफिशल इंटेलीजेंस की बड़ी भूमिका देखता हूं। इसका उपयोग हमारी आपदा प्रबंधन प्रणालियों को मजबूत बनाने के लिए किया जा सकता है। इसका उपयोग जलवायु परिवर्तन की समस्या को हल करने के लिए भी किया जा सकता है।

मित्रो

हमारे ग्रह पर अनेक भाषाएं हैं। भारत में, हमारी कई भाषाएँ और बोलियाँ हैं। इस तरह की विविधता हमें एक बेहतर समाज बनाती है। जैसा कि प्रोफेसर राज रेड्डी ने सुझाव दिया था, क्यों न आर्टिफिशल इंटेलीजेंस का इस्तेमाल मूल भाषा अवरोधों को पाटने के लिए किया जाए। आइए सरल और प्रभावी तरीकों के बारे में सोचते हैं कि आर्टिफिशल इंटेलीजेंस दिव्यांग बहनों और भाइयों को कैसे सशक्त बना सकता है।

मित्रो

ज्ञान के बंटवारे के लिए आर्टिफिशल इंटेलीजेंस का इस्तेमाल क्यों न किया जाए? ज्ञान, सूचना और कौशल को आसानी से सुलभ बनाने की तरह अधिकार प्रदान करने के रूप में कुछ चीजें हैं।

मित्रो

यह सुनिश्चित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि आर्टिफिशल इंटेलीजेंस का उपयोग कैसे किया जाए। इस विश्वास को स्थापित करने के लिए एल्गोरिथम (गणित के सवाल को हल करने के नियमों की प्रणाली) पारदर्शिता महत्वपूर्ण है। साथ ही जवाबदेही भी महत्वपूर्ण है। हमें नॉन स्टेट एक्टर द्वारा आर्टिफिशल इंटेलीजेंस का अस्त्र के रूप में प्रयोग करने के खिलाफ दुनिया की रक्षा करनी चाहिए।

मित्रो

जब हम आर्टिफिशल इंटेलीजेंस की चर्चा करते हैं, तो हमें इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि मनुष्य की रचनात्मकता और उसकी भावनाएं हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं। वह मशीनों पर हमारी अद्वितीय सुविधा है। आर्टिफिशल इंटेलीजेंस हमारी बुद्धि और संवेदना के साथ मिले बिना मानव जाति की समस्याओं को हल नहीं कर सकती। हमें यह भी सोचना चाहिए कि हम इस बौद्धिक तीक्ष्णता को मशीनों पर कैसे बनाए रखेंगे? हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम ध्यान रखें ताकि मानव बुद्धिमत्ता आर्टिफिशल इंटेलीजेंस से हमेशा कुछ कदम आगे रहे। हमें यह सोचना चाहिए कि आर्टिफिशल इंटेलीजेंस इंसानों को अपनी क्षमता बढ़ाने में कैसे मदद कर सकती है। मैं एक बार फिर बताना चाहता हूँ:- आर्टिफिशल इंटेलीजेंस प्रत्येक व्यक्ति की अद्वितीय क्षमता को सामने लाएगी। यह उन्हें समाज में और अधिक प्रभावी रूप से योगदान करने के लिए सशक्त बनाएगी।

मित्रो

रेज़ 2020 में, हमने दुनिया के प्रमुख हितधारकों के लिए एक वैश्विक मंच बनाया है। आइए हम विचारों का आदान-प्रदान करें और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाने के लिए एक सामान्य कार्य प्रणाली की रूपरेखा तैयार करें। यह महत्वपूर्ण है कि हम सभी इसके लिए भागीदार के रूप में मिलकर काम करें। मैं वास्तव में इस वैश्विक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आप सभी के साथ आने के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं इस वैश्विक शिखर सम्मेलन की सफलता की कामना करता हूं। मुझे यकीन है कि अगले चार दिनों में होने वाली चर्चा जिम्मेदार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए एक्शन रोडमैप बनाने में मदद करेगी। एक रोडमैप जो वास्तव में दुनिया भर में जीवन और आजीविका को बदलने में मदद कर सकता है। आप सभी को मेरी शुभकामनाएं।

**धन्यवाद**

**आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।**

\*\*\*

**एमजी/एम/केपी/डीसी**

(रिलीज़ आईडी: 1661976) आगंतुक पटल : 371

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: Kannada , Manipuri , Assamese , Punjabi , Gujarati , Marathi , English , Urdu , Bengali , Odia , Tamil , Telugu , Malayalam

प्रधानमंत्री कार्यालय

# आईआईटी, दिल्ली के दीक्षांत समारोह में प्रधानमंत्री के संबोधन का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 07 NOV 2020 2:42PM by PIB Delhi

नमस्ते,

मंत्रिमंडल के मेरे सहयोगी, श्रीमान रमेश पोखरियाल निशंक जी, श्रीमान संजय धोत्रे जी, Board of Governors के चेयरमैन डॉक्टर आर चिदंबरम जी, IIT Delhi के डायरेक्टर प्रोफेसर वी रामगोपाल राव जी, Board और Senate के सदस्यगण, Faculty Members, Parents, युवा साथियों, देवियों और सज्जनों!!

आज टेक्नॉलॉजी की दुनिया के लिए बहुत अहम दिन है। आज IIT Delhi के माध्यम से देश को 2 हजार से ज्यादा टेक्नोलॉजी के बेहतरीन एक्सपर्ट्स आज देश को मिल रहे हैं। जिन Students को आज डिग्री मिल रही है, उन सभी विद्यार्थी साथियों को, उनके Parents को विशेषरूप से, उनके Guides, Faculty members, सभी को आज के इस महत्वपूर्ण दिवस पर मेरी तरफ से अनेक-अनेक शुभकामनाएं।

आज, IIT Delhi का 51वां Convocation है और इस वर्ष ये महान संस्थान अपनी Diamond Jubilee भी मना रहा है। IIT Delhi ने इस दशक के लिए अपना vision document भी तैयार किया है। मैं Diamond Jubilee Year और इस दशक के आपके लक्ष्यों के लिए भी आपको अनेक-अनेक शुभकामनाएं देता हूँ और भारत सरकार की तरफ से पूर्ण सहयोग का विश्वास भी देता हूँ।

आज, महान वैज्ञानिक डॉक्टर सी.वी. रमण जी की जयंती है। ये बहुत ही शुभ अवसर है आज convocation का और इनके जन्मदिन के साथ जुड़ने का। मैं उनको भी आदरपूर्वक नमन करता हूँ। उनका उत्तम काम सदियों तक हम सबको, खासकर मेरे युवा वैज्ञानिक साथियों को प्रेरित करता रहेगा।

साथियों,

कोरोना का ये संकटकाल, ये दुनिया में बहुत बड़े बदलाव लेकर के आया है। Post-Covid World बहुत अलग होने जा रहा है और इसमें सबसे बड़ी भूमिका Technology की ही होगी। साल भर पहले तक किसी ने नहीं सोचा था कि Meetings हों या Exams, viva हो या फिर convocations, सबका स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है। Virtual Reality और Augmented Reality ही Working Reality की जगह लेती चली जा रही है, बनती जा रही है।

You may be feeling your batch is not very lucky. I am sure you are asking yourself- did all this have to happen in our graduating year only? But, think of it differently. You have a first mover advantage. You have more time to learn and adapt to the new norms emerging in the work place and beyond. So, make most use of this. And, think of the brighter side too. You are also a lucky batch. You were able to enjoy rendezvous in your final year on campus. See how different things were last October and this October. You will look back fondly at: All nights in the library and



reading room before the exams. Late night paratha at the night-mess, The coffee and muffin between lectures. I am also told IIT-Delhi has two types of friends: College friends. Hostel video games friends. You will surely miss both.

साथियों,

इसके पहले मुझे IIT मद्रास, IIT Bombay और IIT गुवाहाटी की convocations को भी इसी प्रकार से attend करने का अवसर मिला और कहीं पर रूबरू जाने का अवसर मिला। इन सभी जगहों पर मुझे ये समानता दिखी कि हर जगह कुछ न कुछ Innovate हो रहा है। आत्मनिर्भर भारत अभियान की सफलता के लिए ये बहुत बड़ी ताकत है। कोविड-19 ने दुनिया को एक बात और सिखा दी है।

Globalization महत्वपूर्ण है लेकिन इसके साथ-साथ Self-Reliance भी उतना ही जरूरी है।

साथियों,

आत्मनिर्भर भारत अभियान आज देश के नौजवानों को, Technocrats को, Tech-enterprise leaders को अनेक नई Opportunities देने का भी एक अहम अभियान है। उनके जो ideas हैं, innovations हैं वो उनको freely implement कर सके, scale कर सके, market कर सके इसके लिये आज सर्वाधिक अनुकूल वातावरण बनाया गया है। आज भारत अपने युवाओं को ease of doing business देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है ताकि ये युवा अपने innovation से करोड़ों देशवासियों के जीवन में परिवर्तन ला सकें। देश आपको Ease of doing business देगा बस आप एक काम कीजिए, अपनी महारत से, आपके अनुभव से, आपके talent से, आपके innovation से देश अगर आपको ease of doing business देता है, सरकार व्यवस्थाएँ देता है तो आप इस देश के गरीब से गरीब नागरिकों ease of living देने के लिए नए-नए innovations लेकर के आइए, नई-नई चीज़ें लेकर के आइए।

हाल में, करीब-करीब हर सेक्टर में, जो बड़े रिफॉर्म्स किए गए हैं, उनके पीछे भी यही एक सोच है। पहली बार एग्रीकल्चर सेक्टर में Innovation और नए Start-ups के लिए अनगिनत संभावनाएं बनी हैं। पहली बार स्पेस सेक्टर में प्राइवेट इनवेस्टमेंट के रास्ते खुले हैं। दो दिन पहले ही, BPO सेक्टर के Ease of doing business के लिए भी एक बड़ा रिफॉर्म किया गया है। सरकार ने Other Service Provider- OSP गाइडलाइंस को एकदम Simplify कर दिया है, करीब-करीब सारे Restriction हटा दिये हैं। एक प्रकार से अब सरकार की मौजूदगी महसूस नहीं होगी। हर एक पर भरोसा किया गया है। इससे BPO Industries के लिए कम्प्लायंस का जो Burden रहता है, भांति-भांति के बंधन रहते हैं, सब कुछ कम हो जाएगा। इसके अलावा बैंक गारंटी सहित दूसरी अनेक ज़रूरतों से भी BPO Industry को मुक्त किया गया है। इतना ही नहीं, ऐसे प्रावधान जो Tech Industry को Work From Home या फिर Work From anywhere जैसी सुविधाओं से जो कानून रोकते थे, उन कानूनों को भी हटा दिया गया है। ये देश के IT Sector को Globally और Competitive बनाएगा और आप जैसे Young Talent को और ज्यादा मौके देगा।

साथियों,

आज देश में आपकी एक-एक ज़रूरतों को समझते हुए, भविष्य की आवश्यकताओं को समझते हुए, एक के बाद एक निर्णय लिए जा रहे हैं, पुराने नियम बदले जा रहे हैं और मेरी यह सोच है कि पिछली शताब्दी के नियम-कानूनों से अगली शताब्दी का भविष्य तय नहीं हो सकता है। नई शताब्दी, नये संकल्प। नई शताब्दी, नये रीति-रिवाज। नई शताब्दी, नये कानून। आज भारत उन देशों में है जहां कॉर्पोरेट टैक्स सबसे कम है। Start-up India इस अभियान के बाद से भारत में 50 हजार से भी ज्यादा स्टार्ट अप शुरू हुए हैं। सरकार के प्रयासों का असर है कि पिछले पाँच वर्षों में देश में पेटेंट की

संख्या 4 गुना हो गई है। ट्रेडमार्क रजिस्ट्रेशन में 5 गुना वृद्धि दर्ज की गई है। इसमें भी फिनटेक के साथ-साथ एगो, डिफेंस और मेडिकल सेक्टर से जुड़े स्टार्ट अप्स अब तेज़ी से बढ़ रहे हैं। बीते वर्षों में, 20 से ज्यादा यूनिवर्सिटी भारतीयों ने भारत में बनाए हैं। जिस तरह देश प्रगति पथ पर बढ़ रहा है, मुझे विश्वास है कि आने वाले एक-दो सालों में इनकी संख्या और बढ़ेगी और हो सकता है आज यहाँ से निकलने वाले जो आप जैसे नौजवान हैं वो उसमें एक नई ऊर्जा भर दें।

साथियों,

Incubation से लेकर funding तक आज स्टार्ट अप्स को अनेक प्रकार की मदद की जा रही है। फंडिंग के लिए 10 हजार करोड़ रुपए का Fund of Funds बनाया गया है। 3 साल के लिए Tax Exemption, Self-Certification, Easy exit, जैसी अनेक सुविधाएं स्टार्ट अप्स के लिए दी जा रही हैं। आज हम National Infrastructure Pipeline के तहत 1 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा निवेश करने की तैयारी है। इससे पूरे देश में State-of-the-art Infrastructure का निर्माण होगा जो वर्तमान और भविष्य दोनों की जरूरतों को पूरा करेगा।

साथियों,

आज देश हर क्षेत्र की अधिकतम संभावनाओं को हासिल करने के लिए नए तौर-तरीकों से काम कर रहा है। आप जब यहाँ से जाएंगे, नई जगह पर काम करेंगे तो आपको भी एक नए मंत्र को लेकर काम करना होगा। ये मंत्र है- Focus on quality; never compromise. Ensure scalability; make your innovations work at a mass scale. Assure reliability; build long-term trust in the market. Bring in adaptability; be open to change and expect un-certainty as way of life. अगर हम इन मूल मंत्रों पर काम करेंगे तो इसकी चमक आपकी पहचान के साथ साथ ब्रांड इंडिया में भी वो अवश्य झलकेगी। मैं आपसे इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि ब्रांड इंडिया के सबसे बड़े brand ambassadors आप ही लोग हैं। आप जो काम करेंगे, उससे देश के products को ग्लोबल पहचान मिलेगी। आप जो करेंगे, उससे देश के प्रयासों को गति मिलेगी। गाँव गरीब के लिए देश जो प्रयास कर रहा है, वो प्रयास भी आपके dedication, आपके innovation से ही सिद्ध होने वाला है।

साथियों,

Technology किस तरह हमारी Governance का, गरीब से गरीब तक पहुंचने का सबसे सशक्त माध्यम हो सकती है, ये बीते वर्षों में देश ने कर दिखाया है। आज चाहे घर हो, बिजली हो, Toilet हो, गैस कनेक्शन हो या अब पानी हो, ऐसी हर सुविधाएं Data और Space Technology के सहयोग से पहुंचाई जा रही हैं। आज Birth Certificate से लेकर जीवन प्रमाण Certificate तक की सुविधा, डिजिटली उपलब्ध कराई जा रही है। जनधन-आधार-मोबाइल की ट्रिनिटी JAM, Digi-Lockers जैसी सुविधाएं और अब डिजिटल हेल्थ आईडी के लिए प्रयास, सामान्य नागरिक का जीवन आसान बनाने के लिए देश एक के बाद एक बहुत तेज़ी से अनेक कदम बढ़ा रहा है। टेक्नोलॉजी ने Last Mile Delivery को efficient बनाया है और Corruption का Scope कम किया है। Digital Transactions के मामले में भी भारत दुनिया के कई देशों से बहुत आगे है। भारत के बनाए UPI जैसे प्लेटफॉर्म को अब दुनिया के बड़े-बड़े विकसित भी अपनाना चाहते हैं।

साथियों,

हाल में सरकार ने एक और योजना शुरू की है, जिसमें टेक्नोलॉजी बड़ी भूमिका निभा रही है। ये योजना है- स्वामित्व योजना। इसके तहत पहली बार भारत के गांवों में जमीन और प्रॉपर्टी, घर की प्रॉपर्टी इसकी मैपिंग की जा रही है। पहले ये काम अगर होता तो इसमें भी Human Interface एकमात्र माध्यम था। इसलिए गड़बड़ियों की, पक्षपात की, शंकाएं-आशंकाएं भी उसके साथ स्वाभाविक थीं। आपको

खुशी होगी क्योंकि आप टेक्नॉलॉजी की दुनिया के लोग हैं आज ड्रोन के माध्यम से ड्रोन टेक्नॉलॉजी का उपयोग करते हुए गांव-गांव में ये मैपिंग हो रही है और गांव के लोग भी इससे पूरी तरह संतुष्ट हैं, उनको भागीदारी के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। ये दिखाता है कि भारत का सामान्य से सामान्य नागरिक भी टेक्नॉलॉजी पर कितनी आस्था रख रहा है।

साथियों,

टेक्नॉलॉजी की ज़रूरत और इसके प्रति भारतीयों में आस्था, यही आपके Future को रोशनी दिखाती है। पूरे देश में आपके लिए अपार संभावनाएं हैं, अपार चुनौतियां हैं जिसके समाधान आप ही दे सकते हैं। बाढ़ और Cyclone के समय Post Disaster Management हो, Ground Water Level को कैसे बनाए रखें, इसके लिए प्रभावी टेक्नॉलॉजी हो, Solar Power Generation और बैटरी से जुड़ी टेक्नॉलॉजी हो, टेलिमेडिसिन और रिमोट सर्जरी की टेक्नॉलॉजी हो, Big Data analysis हो, ऐसे क्षेत्रों में बहुत काम किया जा सकता है।

साथियों,

मैं एक के बाद एक देश की ऐसी अनेक ज़रूरतें आपके सामने रख सकता हूँ। ये जरूरतें नए innovations से पूरी होंगी, आपके ही नए ideas, आपकी ही ऊर्जा, आपके ही प्रयासों से ही ये पूरी हो सकती हैं। इसलिए, मेरा आप सबसे विशेष आग्रह है कि आज आप देश की जरूरतों को पहचानें। जमीन पर जो बदलाव हो रहे हैं, आत्मनिर्भर भारत से जुड़ी सामान्य मानवी की जो आकांक्षाएँ हैं उनसे जुड़ने का काम करें, मैं आपको निमंत्रण देता हूँ। और इसमें आप लोगों का जो Alumni Network है, वो भी बहुत काम आने वाला है।

साथियों,

वैसे भी आप सभी के लिए Alumni meets organize करना बहुत आसान होता है। दूसरे कॉलेजों के Students को अपनी Alumni meet के लिए अक्सर लंबी यात्रा करनी पड़ती है, कॉलेज तक जाना पड़ता है। लेकिन आपके पास एक और बड़ा सरल Option होता है। आप अपनी Alumni meet, कभी भी week-end पर short नोटिस पर Bay Area में भी कर सकते हैं, Silicon Valley में कर सकते हैं, Wall Street में कर सकते हैं, या फिर किसी Government Secretariat में भी आपकी Alumni meet हो सकती है क्योंकि आप हर जगह पर मौजूद हैं। बहुत बड़ी मात्रा में आपकी मौजूदगी है। भारत के start-up capitals चाहे वो मुंबई हो, पुणे हो या बेंगलुरु, आपको इन जगहों पर, IIT से पढ़ के निकले लोगों का strong network मिल जाएगा। ये है आपकी success, ये है आपका influence.

Friends,

You are all students with exceptional abilities. After all, you passed one of the toughest exams, the J-E-E, at the age of 17-18! And then you came to IIT. But, there are two things that will enhance your ability even more. One is flexibility. Other is humility. By flexibility, I refer to the possibility to: Stand out And, Fit in. At no point of your life must you shed your identity. Never be a 'Lite Version' of someone or something. Be the original version. Champion whatever values you believe in. At the same time, never hesitate from fitting into a team. Individual efforts have their limits. The way ahead lies in teamwork. Teamwork brings completeness. The second is humility. You must be right-fully proud of your success, your achievements. Very few people have done what you have. This should make you even more down to earth.

Friends,

It is important that one keeps challenging oneself and continues to learn each day. It is also important that you treat yourself as a student for life. Never think that what you know is enough.

हमारे शास्त्रों में कहा गया है- सत्यं ज्ञानं अनन्तं ब्रह्म।

अर्थात्, ज्ञान और सत्य ब्रह्म की तरह ही अनन्त होते हैं, Infinite होते हैं। जितने नए नए इनोवेशन आप लोग करते हैं, ये सब सत्य का, ज्ञान का ही तो विस्तार है। इसलिए, आपके इनोवेशन में देश के लिए, देशवासियों के लिए, गाँव-गरीब के लिये, आत्मनिर्भर भारत के लिए अपार संभावनाएं हैं।

आपका ज्ञान, आपकी Expertise, आपका सामर्थ्य देश के काम आए, इसी विश्वास के साथ फिर से आप सभी को बहुत-बहुत बधाई, बहुत-बहुत शुभकामनाएं, आपकी माता-पिताओं की आशा-अपेक्षाओं के अनुकूल आपके जीवन की नई यात्रा प्रारंभ हो, आपके गुरुजनों ने जो आपको शिक्षा दी है, दीक्षा दी है वो आपको जीवन में सफल होने के लिए डगर-डगर पर काम आए और जहाँ तक भारत सरकार का सवाल है, भारत गर्व के साथ अपनी demography के लिए गर्व करता है और हमारी demography जब IITians से भरी हुई हो तब वो दुनिया में भी value addition करती है। ये सामर्थ्य के साथ आज एक नई जीवन यात्रा का प्रारंभ कर रहे हैं मेरी तरफ से आपको आपके परिवारजनों को, आपके गुरुजनों को बहुत ही धन्यवाद के साथ मैं मेरी वाणी को विराम देता हूँ।

बहुत-बहुत शुभकामनाएँ!

PM Modi addresses 51st Convocation Ceremony of IIT Delhi | P...



\*\*\*

DS/SH/AK/AKV

(रिलीज़ आईडी: 1671088) आगंतुक पटल : 254

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English , Urdu , Marathi , Manipuri , Bengali , Assamese , Punjabi , Gujarati , Odia , Tamil , Telugu , Kannada , Malayalam

प्रधानमंत्री कार्यालय

# बेंगलुरु टेक समिट में दिए गए प्रधानमंत्री के संबोधन का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 19 NOV 2020 12:01PM by PIB Delhi

नमस्ते,

मेरे मंत्रिमंडल के सहयोगी श्री रविशंकर प्रसाद जी, कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बी.एस. येदियुरप्पा जी और टेक विश्व के मेरे सभी प्रिय मित्रों, यह बहुत ही अनोखा मौका है, जब प्रौद्योगिकी हमें यह महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी सम्मेलन आयोजित करने में सहायता कर रही है।

मित्रों, हमने 5 साल पहले डिजिटल इंडिया मिशन शुरू किया था। आज मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी है कि डिजिटल इंडिया को अब किसी नियमित सरकारी पहल के तौर पर नहीं देखा जा रहा है। डिजिटल इंडिया अब जीवन जीने का एक तरीका बन गया है, खासतौर से, गरीबों, अधिकारहीन लोगों और सरकार में काम कर रहे लोगों के लिए। डिजिटल इंडिया का शुक्रिया, हमारा देश अब, एक अधिक मानव केन्द्रित विकास दृष्टिकोण का गवाह बन रहा है। इतने बड़े पैमाने पर प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से हमारे नागरिकों के जीवन में बहुत से बदलाव आए हैं। इसके लाभ स्पष्ट दिख रहे हैं।

हमारी सरकार ने डिजिटल और टेक समाधानों के लिए सफलातपूर्वक एक बड़ा बाजार तैयार कर लिया है और प्रौद्योगिकी को अपनी हर योजना का मुख्य हिस्सा बनाया है। हमारा शासन मॉडल 'प्रौद्योगिकी पहले' (टेक्नोलॉजी फर्स्ट) है। प्रौद्योगिकी के जरिए हमने मानव गरिमा में वृद्धि की है। लाखों किसान अब एक क्लिक पर वित्तीय सहायता पा रहे हैं। कोविड-19 लॉकडाउन के चरम समय में, यह प्रौद्योगिकी ही थी, जिसने भारत के गरीब को समुचित और तत्काल सहायता सुनिश्चित की। ऐसी राहत पहले बहुत कम मिल सकी है। अगर भारत विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य देखभाल योजना 'आयुष्मान भारत' का सफलातपूर्वक परिचालन कर पा रहा है, तो इसमें भी प्रौद्योगिकी की बहुत बड़ी भूमिका है। इस योजना ने खासतौर से देश के गरीब तबके को मदद पहुंचाई है। अब उन्हें भारत के किसी भी हिस्से में उच्चस्तरीय और वहन योग्य चिकित्सा सुविधा पाने को लेकर कोई चिंता नहीं रही है।

हमारी सरकार ने डाटा एनेलिटिक्स की ताकत का इस्तेमाल कर बेहतर सेवा और कुशलता सुनिश्चित की है। इंटरनेट का प्रवेश भारत में करीब 25 साल पहले हुआ था। एक रिपोर्ट के अनुसार देश में हाल में इंटरनेट कनेक्शन्स की संख्या 750 मिलियन को पार कर गई है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इनमें से आधे कनेक्शन पिछले सिर्फ चार साल में जुड़े हैं। हमारी योजनाओं के फाइलों से निकल कर लागू हो पाने और लोगों के जीवन में इतनी तीव्र गति से और इतने बड़े पैमाने पर बदलाव आ पाने की मुख्य वजह प्रौद्योगिकी ही है। आज, जब हम अपने गरीबों को बड़े पैमाने पर तेज गति से और पूरी पारदर्शिता के साथ अपने घर बनाने में मदद कर पा रहे हैं, तो इसके लिए भी प्रौद्योगिकी का ही शुक्रिया अदा करना चाहिए। आज, जब हम हर घर को बिजली मुहैया करा पा रहे हैं, तो इसमें भी प्रौद्योगिकी की मुख्य भूमिका है। आज, जब हम टोल बूथों को तेजी से पार कर पा रहे हैं, तो यह भी प्रौद्योगिकी की ही वजह से संभव हुआ है। आज प्रौद्योगिकी ने ही हमें यह आत्मविश्वास दिया है कि हम अपनी इतनी बड़ी जनसंख्या को बहुत कम समय में टीके उपलब्ध करा पाएंगे।

मित्रों, जब बात प्रौद्योगिकी की आती है, तो हमें साथ मिलकर सीखना और प्रगति करना है। इसी दृष्टिकोण से प्रेरित होकर भारत में बड़ी संख्या में इन्क्यूबेशन सेंटर खुल रहे हैं। पिछले कुछ सालों में भारत में हैकार्थॉन की एक बड़ी संस्कृति का विकास हुआ है। मैंने भी इनमें से कुछ में हिस्सा लिया है। हमारे देश और हमारी पृथ्वी के समक्ष मौजूद मुख्य चुनौतियों के समाधान के लिए युवा मस्तिष्क साथ आ रहे हैं और उपाय तलाश रहे हैं। इसी तरह के हैकार्थॉन के जरिए सिंगापुर और आसियान देशों के साथ सहयोग बनाने में मदद मिली। भारत सरकार अपने जीवंत स्टार्टअप समुदाय की मदद कर पा रही है, जिसकी कुशलता और सफलता का लोहा विश्व में माना जाने लगा है।

मित्रों, हमने हमेशा सुना है : प्रतिकूल परिस्थितियां व्यक्ति की प्रतिभा को उभारने का काम करती हैं। संभवतः भारत के टेक समुदाय के बहुत से लोगों के बारे में यह कथन बहुत प्रासंगिक है। जब कोई बहुत अच्छे काम की अपेक्षा रखने वाला उपभोक्ता सामने होया किसी काम को किसी समय सीमा के भीतर तत्काल पूरा करने का दबाव हो, तो आपने देखा होगा कि इसे पूरा करने के लिए कुछ ऐसे लोग सामने आ जाते हैं, जिनके बारे में आपने कभी सोचा ही नहीं था। वैश्विक स्तर पर हुए लॉकडाउन और यात्रा प्रतिबंधों ने लोगों को अपने कार्य स्थल से दूर, अपने घरों में कैद कर दिया था। ऐसे समय में हमारे प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लोगों की सक्रियता देखने को मिली। हमारा प्रौद्योगिकी क्षेत्र सक्रिय हो गया और घर से या कहीं से भी काम को जारी रखने के समाधान जुटाने में जुट गया। प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने लोगों को साथ लाने के काम में छिपे एक बड़े नवाचार अवसर को पहचाना।

कोविड-19 महामारी हमारे रास्ते का मोड़ था, अंत नहीं। एक दशक में जितनी प्रौद्योगिकी इस्तेमाल नहीं की जा सकती थी, उतनी प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल सिर्फ कुछ महीनों में ही शुरू हो गया। कहीं से भी काम करना एक कायदा बन गया, जो अभी बना रहेगा। भविष्य में हम शिक्षा, स्वास्थ्य, खरीददारी और अन्य क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल को बढ़ते हुए देखेंगे। अब जबकि मुझे प्रौद्योगिकी क्षेत्र के कुछ बहुत ही प्रतिभाशाली लोगों से प्रत्यक्ष बातचीत का अवसर मिला है, तो मैं पूरे विश्वास से कहना चाहता हूँ, आपके प्रयासों के लिए आपका धन्यवाद। हम फिजिकल से डिजिटल कन्वर्जेंस को प्रौद्योगिकी के बेहतर इस्तेमाल से निश्चित रूप से हासिल कर अपने अनुभव को बेहतर बना सकते हैं। हम टेक टूल्स को भविष्य में इस्तेमाल करने वालों के ज्यादा अनुरूप बना सकते हैं।

मित्रों, औद्योगिक युग की उपलब्धियां अब बीते समय की बात हो गई हैं। अब हम सूचना युग के मध्य में हैं। भविष्य तेजी से हमारी ओर बढ़ रहा है इसलिए हमें पिछली सदी की सोच को जल्दी से जल्दी छोड़ना होगा। औद्योगिक युग में बदलाव रेखाकार (लाइनियर) था, लेकिन सूचना युग में बदलाव काफी बड़ा और बाधाकारी होगा। औद्योगिक युग में बाजार में पहले पहुंचने वाले उत्पाद या सेवा को फर्स्ट मूवर लाभ मिलता था, लेकिन सूचना युग में इस लाभ का कोई अर्थ नहीं रखेगा, सिर्फ उसका महत्व होगा, जो श्रेष्ठ उत्पाद या सेवा दे। कोई भी किसी भी समय कोई ऐसा उत्पाद या सेवा तैयार कर सकता है, जो बाजार की मौजूदा अवस्था को बाधित कर सकता हो।

औद्योगिक युग में, सीमाओं का महत्व था, लेकिन सूचना युग में हम सीमाओं से परे चले जाते हैं। औद्योगिक युग में कच्चे माल को प्राप्त करना मुख्य चुनौती थी और केवल कुछ ही लोगों की इस तक पहुंच थी। सूचना युग में कच्चा माल, जो कि सूचना है, हमारे सामने हर जगह है और हर किसी की उस तक पहुंच है। भारत की एक देश के तौर पर स्थिति ऐसी है कि वह सूचना युग में काफी आगे जा सकता है। हमारे पास श्रेष्ठ प्रतिभाएं हैं और साथ ही एक बहुत बड़ा बाजार है। हमारे स्थानीय टेक समाधानों में वैश्विक होने की संभावनाएं हैं। भारत एक बहुत ही माकूल जगह पर है। आज के समय जो टेक समाधान भारत में डिजाइन होते हैं, वे पूरे विश्व में लागू होते हैं।



मित्रों, हमारे नीतिगत निर्णय हमेशा टेक और नवाचार उद्योग को उदार बनाने पर लक्षित होते हैं। हाल में शायद आपने सुना होगा, हमने सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग पर पड़ने वाले अनुपालन के बोझ को कई प्रकार से कम किया है और भारत के लिए एक भविष्योन्मुखी नीति संरचना तैयार की है। आप सभी इस उद्योग के वाहक हैं। क्या हम पूरी तरह सचेत होकर अपने उत्पाद संबंधी नवाचार को उच्च स्तर तक ले जाने का प्रयास कर सकते हैं। किसी उत्पाद की रूपरेखा तैयार करने वाला मानस बहुत से सफल उत्पादों को तैयार करने की क्षमता रखता है। रूपरेखा तैयार करने का काम वैसा ही है, जैसे कई लोगों को मछली पकड़ना सिखाना और उसके लिए उन्हें न सिर्फ जाल मुहैया कराना, बल्कि मछलियों से भरी हुई झील मुहैया कराना भी है।

रूपरेखा तैयार करने वाले मानस का एक उदाहरण यूपीआई है। उत्पाद स्तर की परम्परागत सोच का मतलब होता कि हम सिर्फ एक डिजिटल भुगतान उत्पाद लेकर आते। इसकी जगह हमने भारत को यूपीआई दिया। एक ऐसा समाधानों का समुच्चय जहां हर व्यक्ति अपने डिजिटल भुगतान उत्पादों के जरिए भुगतान कर सकता है। इसने कई उत्पादों को सशक्त बनाया। पिछले महीने इस तरह के 2 बिलियन से ज्यादा वित्तीय लेन-देन दर्ज किए गए। हम राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य अभियान में भी ऐसा ही कुछ कर रहे हैं। आपमें से कुछ ने 'स्वामित्व योजना' के बारे में अवश्य सुना होगा। यह ग्रामीण इलाकों में लाखों लोगों को भूमि के पट्टे प्रदान करने की एक महत्वाकांक्षी योजना है। इसे भी ड्रॉन्स जैसी प्रौद्योगिकी के जरिए पूरा किया जाएगा। इससे न सिर्फ बहुत सारे विवादों का अंत किया जा सकेगा, बल्कि लोगों को सशक्त भी बनाया जा सकेगा। एक बार किसी को संपत्ति का अधिकार दे दिया जाए, तो प्रौद्योगिकी समाधान उसकी समृद्धि को सुनिश्चित कर सकता है।

मित्रों, प्रौद्योगिकी रक्षा क्षेत्र में उभार की गति को भी तय कर रही है। पहले के युद्धों में निर्णय इस बात से होता था कि किस के पास बेहतर हाथी या घोड़े हैं। इसके बाद गोली-बारूद का युग आया। अब वैश्विक संघर्षों में प्रौद्योगिकी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सॉफ्टवेयर से लेकर ड्रोन और यूएवी तक, प्रौद्योगिकी, रक्षा क्षेत्र को पुनः परिभाषित कर रही है।

मित्रों, प्रौद्योगिकी के बढ़ते इस्तेमाल से आंकड़ों का संरक्षण और साइबर सुरक्षा भी बहुत महत्वपूर्ण हो गई है। हमारे युवा ठोस साइबर सुरक्षा समाधान तैयार कराने की दिशा में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। इन समाधानों से तैयार डिजिटल उत्पादों का इस्तेमाल साइबर हमलों और विभिन्न वायरसों के प्रभाव को समाप्त करने के लिए किया जा सकता है। आज हमारा फिनटेक उद्योग बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। लाखों लोग बिना किसी हिचकिचाहट के वित्तीय लेन-देन कर रहे हैं। यह लोगों के विश्वास की वजह से ही संभव हुआ है और इसे बनाए रखना और मजबूत करना बेहद महत्वपूर्ण है। एक उचित डाटा गवर्नेंस संरचना भी हमारी प्राथमिकता है।

मित्रों, जहां आज मैंने मुख्य रूप से सूचना प्रौद्योगिकी पर अपनी बात को केन्द्रित रखा, उसी तरह विज्ञान के क्षेत्र में भी नवाचार का विस्तार किए जाने की जरूरत है। चाहे वे जैव विज्ञान हो या इंजीनियरिंग हो, नवाचार प्रगति की कुंजी है। जब नवाचार की बात आती है, तो भारत स्पष्ट लाभ की स्थिति में है, क्योंकि उसके पास युवा प्रतिभाएं हैं और नवाचार के प्रति उत्साह है।

मित्रों, हमारी युवा शक्ति की प्रतिभा और प्रौद्योगिकी की संभावनाएं असीमित हैं। यही समय है, जब हमें अपना श्रेष्ठ देना है और उसका लाभ उठाना है। मुझे विश्वास है कि हमारा सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र हमें ऐसे अवसर देता रहेगा कि हम उसपर गर्व करें।

बहुत-बहुत धन्यवाद!

\*\*\*

**एमजी/एम/एसएम/वाईबी**

(रिलीज़ आईडी: 1674009) आगतुक पटल : 259

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English

प्रधानमंत्री कार्यालय

# पैन आईआईटी ग्लोबल समिट में प्रधानमंत्री के संबोधन का मूलपाठ

प्रविष्टि तिथि: 04 DEC 2020 10:22PM by PIB Delhi

श्री सुंदरम श्रीनिवासन

अध्यक्ष

पैन आईआईटी यूएसए

प्रतिष्ठित पूर्व छात्र

मित्रों,

मैं आज आप सभी लोगों से जुड़कर प्रसन्न हूँ। मुझे चेन्नई, मुंबई, गुवाहाटी और हाल ही में दिल्ली में आईआईटी के दीक्षांत समारोहों को संबोधित करने का अवसर मिला। मैं आईआईटी के छात्रों के साथ बातचीत के बाद हमेशा प्रभावित होता हूँ। मैं भारत और हमारी दुनिया के भविष्य को लेकर नई ऊर्जा और नए भरोसे को लेकर लौटता हूँ।

मित्रों,

आप भारत के बेटे और बेटियाँ हैं, जो मानवता की सेवा कर रहे हैं। आपकी नवाचार करने की भावना दुनिया को बड़ा सपना देखने में मदद कर रही है। यह आपकी व्यापक क्षमताओं में से एक है। शायद यह आपकी तकनीकी और प्रबंधन कौशल के ठीक बाद दूसरे स्थान पर आती है। किसी को पूरी दुनिया में आईआईटी के पूर्व छात्रों के संचयी योगदान के आर्थिक मूल्य को आंकना चाहिए। मुझे यकीन है कि यह एक उचित आकार वाले किसी देश की जीडीपी के बराबर होगा।

मित्रों,

एक समय था, जब ऐसी किसी सभा में सिर्फ पांच या छह आईआईटी के ही पूर्व छात्र शामिल होते थे। अब यह संख्या बढ़ रही है, और लगभग दो दर्जन तक पहुंच चुकी है। छात्रों और पूर्व छात्रों की संख्या भी बढ़ी है। इसके साथ, हमने यह सुनिश्चित किया है कि आईआईटी का ब्रांड और मजबूत बने। हम भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए मजबूती से प्रतिबद्ध हैं। आपने देखा होगा कि हाल के कुछ समय में भारत में हैकथॉन की एक संस्कृति विकसित हो रही है। मुझे इनमें से कुछ हैकथॉन में शामिल होने का अवसर भी मिला है। इन हैकथॉन में मैंने युवा सोच को देश और दुनिया की समस्याओं के जबरदस्त समाधान देते हुए देखा है।

इस क्षेत्र में हम दक्षिण पूर्व एशिया और यूरोप के कई देशों के साथ काम कर रहे हैं। हमारा मकसद यह सुनिश्चित करना है कि हमारे युवाओं को अपना कौशल दिखाने और दुनिया के बेहतर व्यवहारों से सीखने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय मंच मिले। 2 अक्टूबर, गांधी जयंती पर, से शुरुआत करते हुए भारत ने वैभव शिखर सम्मेलन आयोजित किया।

लगभग एक महीने तक चले इस सम्मेलन ने विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में शीर्ष गुणवत्ता की प्रतिभा को जोड़ने का काम किया। इसमें भाग लेने वालों की संख्या तेईस हजार के आसपास रही। 230 पैनल चर्चा हुई। लगभग 730 घंटे चर्चा हुई। यह शिखर सम्मेलन उत्पादक था और इसने विज्ञान और नवाचार क्षेत्र में भविष्य की साझेदारियों की लय को तय कर दिया है।

मित्रों,

भारत अपने काम करने के तरीके में एक आमूल-चूल परिवर्तन का साक्षी बन रहा है। चीजें, जिनके बारे में हम सोचते थे कि कभी हो नहीं सकेंगी, आज बड़ी रफ्तार से उपलब्ध कराई जा रही हैं। मैं एक ऐसे क्षेत्र से छोटा सा उदाहरण देता हूँ जिसे आप अच्छी तरह से जानते हैं। पहले, जब आईआईटी एयरो-स्पेस इंजीनियर्स को तैयार करता था, तो उन्हें रोजगार देने के लिए घरेलू स्तर पर एक मजबूत इंडस्ट्रियल इको-सिस्टम नहीं था। आज अंतरिक्ष क्षेत्र में हमारे ऐतिहासिक सुधारों के साथ, मानवता के सामने मौजूद अंतिम मोर्चा भारतीय प्रतिभा के लिए खुला है।

यही वजह है कि भारत में प्रति दिन नए स्पेस टेक स्टार्टअप्स आ रहे हैं। मुझे यकीन है कि आप में से कुछ लोग साहस के साथ उस जगह पर पहुंचेंगे, जहां अब से पहले कोई नहीं पहुंचा है। भारत में कई क्षेत्रों में अत्याधुनिक और नए तरीके के काम हो रहे हैं। हमारी सरकार “रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म” (सुधार, प्रदर्शन, परिवर्तन) के सिद्धांत के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

हमारे सुधारों से कोई क्षेत्र छूटा नहीं है। कृषि, परमाणु ऊर्जा, रक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, बुनियादी ढांचा, वित्त, बैंकिंग, टैक्सेशन। यह लिस्ट जारी है। हम श्रम क्षेत्र में व्यापक सुधार लाए हैं, श्रम से जुड़े 44 कानूनों को सिर्फ 4 कोड में शामिल कर दिया गया है। हमारे कॉरपोरेट टैक्स की दर दुनिया में सबसे कम है।

कुछ सप्ताह पहले, भारतीय मंत्रिमंडल ने दस मुख्य क्षेत्रों में व्यापक बदलाव वाली उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी है। यह फैसला निर्यात के साथ-साथ विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए लिया गया था। इसमें बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, ऑटोमोबाइल, टेलिकॉम, सौर ऊर्जा और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। ये सारे क्षेत्र प्रौद्योगिकी से जुड़े हैं। ये अवसर इस्तेमाल होने का इंतजार कर रहे हैं।

कोविड-19 के इस मुश्किल भरे वक्त में, भारत ने रिकॉर्ड निवेश हासिल किया है। इस निवेश का ज्यादातर हिस्सा तकनीकी क्षेत्र में आया है। स्पष्ट है, विश्व, भारत को एक भरोसेमंद और उम्मीद से भरे साथी के रूप में देखता है।

मित्रों,

पैन आईआईटी आंदोलन की सामूहिक शक्ति आत्मनिर्भर भारत या सेल्फ रिलायंट इंडिया बनने के हमारे सपने को रफ्तार दे सकता है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में कुछ अहम मोड़ों पर, दुनिया भर में फैले भारतीय प्रवासियों ने एक उभरते हुए भारत में अपना भरोसा जताया। वे नए भारत के एंबेस्डर बन गए। और, उनकी आवाज यह सुनिश्चित करने में बेहद महत्वपूर्ण थी कि दुनिया सही अर्थों में भारत के दृष्टिकोण को समझे।

मित्रों,

दो साल बाद, 2022 में भारत आजादी के 75 साल पूरे कर लेगा। मैं पैन आईआईटी आंदोलन से “गिविंग बैक टू इंडिया” (भारत को वापस लौटाने) पर एक उच्च मानदंड स्थापित करने का आग्रह करता हूँ। अपने शिक्षण संस्थान के लिए आपके प्रयास जगजाहिर हैं और प्रेरणा देने वाला हैं। मुझे मालूम है कि आप में से कई लोग अपने जूनियर्स को- शिक्षा दो या उद्योग, करियर का सही रास्ता चुनने में

सलाह देते हैं। आज, उनमें से कई लोग खुद के उपक्रम शुरू करना चाहते हैं। वे तेज दिमाग और आत्मविश्वास से भरे युवा हैं, जो अपनी कड़ी मेहनत और नवाचार से एक छाप छोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

अब, मैं आपको उनकी इन कोशिशों में सलाह देने के लिए आमंत्रित करता हूँ। मैं आपसे अपने विचारों और सुझावों को साझा करने का भी आग्रह करता हूँ कि हम अपनी आजादी की 75वें वर्ष को कैसे अंकित कर सकते हैं। आप अपने विचारों को माय गाँव से साझा कर सकते हैं या आप इसे नरेन्द्र मोदी ऐप पर सीधे मेरे साथ साझा कर सकते हैं।

मित्रों,

आज के हमारे कार्य हमारी कल की दुनिया को आकार देंगे। कोविड-19 के बाद की व्यवस्था लगभग सभी क्षेत्रों में रि-लर्निंग (नए सिरे से सीखने), रि-थिंकिंग (नए सिरे से सोचने), रि-इनोवेटिंग (नए सिरे से नवाचार करने) और रि-इंवेस्टिंग (नए सिरे से खोज करने) की होगी। आर्थिक सुधारों की एक सीरीज के साथ, यह हमारी दुनिया को दोबारा ऊर्जावान बनाएगी। यह 'जीवन जीने में सरलता' को सुनिश्चित करेगी और गरीबों के साथ-साथ कमजोर तबकों पर भी सकारात्मक असर डालेगी।

हमने यह भी देखा है कि कैसे उद्योग और शिक्षा के बीच साझेदारी की वजह से महामारी के दौरान बहुत से नवाचार सामने आए। आज दुनिया को नए हालात में ढलने के लिए व्यावहारिक समाधानों की जरूरत है, और, इस पर बात करने के लिए आप लोगों से बेहतर दूसरा कौन होगा? आज बड़ी संख्या में आईआईटी के पूर्व छात्र वैश्विक नेतृत्व से जुड़े पदों पर मौजूद हैं। आपका मजबूत नेटवर्क उद्योग, शिक्षा, कला और सरकारों तक फैला हुआ है। आप व्यावहारिक रूप से इंसानी गतिविधि और उत्कृष्टता के सभी क्षेत्रों में मौजूद हैं। मैं खुद रोजाना नहीं तो हर हफ्ते आप लोगों के समूह के एक-दो लोगों से बातचीत करता रहता हूँ। मैं आप लोगों से न्यू वर्ल्ड टेक ऑर्डर में समाधान उपलब्ध कराने पर बहस, चर्चा और सहयोग करने का आग्रह करता हूँ। यह जिम्मेदारी भारी है, लेकिन मैं जानता हूँ कि आपके कंधे सक्षम हैं।

इसके साथ, मैं आपको इस वर्ष के सम्मेलन के लिए अपनी शुभकामनाएं देता हूँ, जिसकी थीम सही है- "भविष्य अब है"। निश्चित तौर पर यही है।

शुभकामनाएं।

और आपको धन्यवाद।

\*\*\*\*\*

**एमजी/एम/आरकेएस/डीसी**

(रिलीज़ आईडी: 1678519) आगंतुक पटल : 274

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: Assamese , English , Urdu , Marathi , Bengali , Manipuri , Punjabi , Gujarati , Odia , Tamil , Telugu , Kannada , Malayalam

प्रधानमंत्री कार्यालय

# इंडियन मोबाइल कांग्रेस में प्रधानमंत्री के संबोधन का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 08 DEC 2020 11:42AM by PIB Delhi

केन्द्रीय मंत्रिमंडल में मेरे साथी श्री रविशंकर प्रसाद, दूरसंचार उद्योग के अग्रणी लोग और अन्य गणमान्य लोग,

इंडियन मोबाइल कांग्रेस 2020 में आपको संबोधित करना मेरे लिए बड़ी खुशी की बात है। यहां दूरसंचार क्षेत्र के जाने-माने लोग इकट्ठा हुए हैं। इस समूह में क्षेत्र के सभी प्रमुख लोग उपस्थित हैं, जिन्होंने हाल में भारत को समृद्ध भविष्य की ओर ले जाने में अहम भूमिका निभाई है और उनके द्वारा आगे भारत का नेतृत्व किए जाने का अनुमान है।

मित्रों,

भले ही हम तेज गति का अनुभव कर रहे हैं जिससे संपर्क में सुधार हो रहा है, वहीं हम यह भी जानते हैं कि गति बढ़ने की यह सिर्फ एक शुरुआत भर है। पहली टेलीफोन कॉल होने के बाद से अब तक हम काफी लंबा सफर तय कर चुके हैं। वास्तव में, हमारे देश, समाज और दुनिया पर मोबाइल क्रांति ने जिस तरह का प्रभाव डाला है, उसकी 10 साल पहले तक कल्पना करना भी मुश्किल था। साथ ही भविष्य में निहित बातें हमारी वर्तमान व्यवस्था को प्राचीन बना देंगी। इस संदर्भ में, यह सोचना और योजना बनाना अहम है कि हम भविष्य में होने वाली तकनीकी क्रांति से जीवन में सुधार कर सकते हैं। बेहतर स्वास्थ्य, बेहतर शिक्षा, हमारे किसानों के लिए बेहतर जानकारी और अवसर, छोटे कारोबारियों के लिए बेहतर बाजार पहुंच ऐसे कुछ लक्ष्य हैं, जिन पर हम मिलकर काम कर सकते हैं।

मित्रों,

यह आपका नवाचार और प्रयास ही हैं कि महामारी के बावजूद दुनिया क्रियाशील बनी हुई है। ये आपके प्रयास ही हैं कि एक बेटा दूसरे शहर में मौजूद अपनी मां से जुड़ा हुआ है, एक विद्यार्थी कक्षा में बिना बैठे ही अपने शिक्षक से पढ़ रहा है, एक मरीज घर से ही अपने चिकित्सक से परामर्श ले रहा है, एक व्यापारी दूसरे क्षेत्र में स्थित अपने ग्राहक से जुड़ा हुआ है।

ये आपके प्रयास ही हैं कि सरकार के रूप में हम आईटी और दूरसंचार क्षेत्र की पूरी संभावनाओं को भुनाने के लिए भी काम कर रहे हैं। अन्य सेवा प्रदाता के नए दिशा-निर्देशों से भारत के आईटी सेवा उद्योग को नई ऊंचाई हासिल करने में सहायता मिलेगी। महामारी के लंबे समय तक रहने के बावजूद इससे इस क्षेत्र को प्रोत्साहन मिलेगा। इस पहल से आईटी सेवा उद्योग को जनता के बीच और देश के कोने-कोने में ले जाने में सहायता मिलेगी।

मित्रों,

आज हम ऐसे दौर में हैं जहां कुछ साल पुराने मोबाइल ऐप्स का मूल्य दशकों पुरानी कंपनियों से ज्यादा हो गया है। भारत और हमारे युवा अन्वेषकों के लिए भी यह एक अच्छा संकेत है। हमारे युवा ऐसे कई उत्पादों पर काम कर रहे हैं, जिनके वैश्विक स्तर पर छा जाने की संभावना है।

कई युवा तकनीक विशेषज्ञ मुझे बताते हैं कि यह कोड ही है जो एक उत्पाद को विशेष बनाता है। कुछ उद्यमियों ने मुझे बताया कि यह अवधारणा ही है जिसका खासा महत्व है। निवेशक सुझाव देते हैं कि यह पूंजी है जो एक उत्पाद को आगे बढ़ाने के लिए अहम है। लेकिन जो बात सबसे ज्यादा अहमियत रखती है, वह युवाओं का अपने उत्पाद के प्रति विश्वास है। कभी कभार यह विश्वास ही लाभ के साथ निकासी और एक यूनिकॉर्न के बीच में आ जाता है। इसलिए, अपने युवा दोस्तों के लिए मेरा यही संदेश होगा कि अपनी क्षमता के साथ उत्पादों में भी भरोसा रखें।

मित्रों,

आज हम एक अरब से ज्यादा फोन उपयोग करने वालों का देश हैं। आज, हमारे यहां एक अरब से ज्यादा लोगों के पास विशेष डिजिटल पहचान है। आज हमारे यहां 75 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं। इंटरनेट की पैठ की स्थिति और गति का आकलन निम्नलिखित तथ्यों से किया जा सकता है : भारत में कुल इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की आधी संख्या पिछले चार साल में ही बढ़ी है। इंटरनेट उपयोग करने वालों की आधी संख्या ग्रामीण इलाकों से संबंधित है। हमारा डिजिटल आकार और डिजिटल इच्छाएं अप्रत्याशित हैं। हम एक ऐसा देश हैं, जहां टैरिफ दुनिया में सबसे कम हैं। हम दुनिया में सबसे तेजी से उभरते ऐप बाजारों में से एक हैं। हमारे देश की डिजिटल क्षमताएं शायद मानव जाति के इतिहास में बेजोड़ हैं।

यह मोबाइल प्रौद्योगिकी ही है, जिसके कारण हम लाखों और करोड़ों लोगों को अरबों डॉलर के लाभ दे रहे हैं। यह मोबाइल प्रौद्योगिकी ही है, जिसके कारण हम महामारी के दौरान गरीब और वंचित तबकों तक तेजी से सहायता पहुंचाने में सक्षम हुए हैं। यह मोबाइल प्रौद्योगिकी ही है जिससे अरबों नकदी रहित लेन-देन हो रहे हैं और औपचारिकता व पारदर्शिता को प्रोत्साहन मिला है। यह मोबाइल प्रौद्योगिकी ही है, जिसके चलते हम टोल बूथों पर संपर्क रहित कामकाज में सक्षम हो जाएंगे। मोबाइल प्रौद्योगिकी की सहायता से ही हम दुनिया के सबसे बड़े कोविड-19 टीकाकरण अभियान में एक की शुरुआत करने में सक्षम हो जाएंगे।

मित्रों,

हमने भारत में मोबाइल विनिर्माण में अच्छी सफलता हासिल की है। भारत मोबाइल विनिर्माण के लिए सबसे पसंदीदा केन्द्रों में से एक देश के रूप में उभर रहा है। हमने भारत में दूरसंचार उपकरण विनिर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन योजना भी पेश की है। चलिए, भारत को दूरसंचार उपकरण, डिजाइन, विकास और विनिर्माण का एक वैश्विक हब बनाने के लिए मिलकर काम करते हैं।

हम यह सुनिश्चित करने की योजना पर काम कर रहे हैं कि अगले तीन साल में हर गांव को तेज गति का फाइबर ऑप्टिक संपर्क हासिल हो जाए। हमने अंडमान निकोबार द्वीप समूह को फाइबर ऑप्टिक केबल से पहले ही जोड़ दिया है। हमने ऐसे कार्यक्रम पेश किए हैं जो विशेष रूप से आकांक्षी जिलों, वामपंथी आतंकवाद से प्रभावित जिलों, पूर्वोत्तर राज्यों, लक्षद्वीप द्वीप समूहों आदि पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जहां संपर्क में सुधार किया जा सकता है। हम फिक्स्ड लाइन ब्रॉडबैंक संपर्क और सार्वजनिक वाई-फाई हॉटस्पॉट का व्यापक प्रसार सुनिश्चित करने को उत्सुक हैं।

मित्रों,

तकनीक के उन्नयन के कारण, हमारे यहां हैंडसेट और गैजेट को नियमित रूप से बदले जाने की संस्कृति है। उद्योग जगत इलेक्ट्रॉनिक कचरे के रख-रखाव और एक गोलाकार अर्थव्यवस्था तैयार करने के बेहतर तरीके सोचने के लिए एक कार्यबल का गठन कर सकता है।

मित्रों,



जैसा कि मैं पहले ही कह चुका हूँ की यह सिर्फ एक शुरुआत भर है। भविष्य में त्वरित तकनीक प्रगति के साथ व्यापक संभावनाएं छिपी हुई हैं। हमें भविष्य में तेजी से समयबद्ध तरीके से 5जी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने और करोड़ों भारतीयों को सशक्त बनाने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि इस सभा में ऐसे सभी मसलों पर विचार किया जाएगा और ऐसे लाभकारी परिणाम मिलेंगे जो हमें इस महत्वपूर्ण अवसंरचना के विकास में आगे ले जाएंगे।

मैं आप सभी को शुभकामनाएं देता हूँ।

धन्यवाद

\*\*\*\*\*

एमजी/एम/एमपी/एसके

(रिलीज़ आईडी: 1685420) आगंतुक पटल : 208

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: Assamese , English , Urdu , Marathi , Bengali , Manipuri , Punjabi , Gujarati , Odia , Tamil , Telugu , Kannada , Malayalam

प्रधानमंत्री कार्यालय

# इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल-2020 में प्रधानमंत्री के उद्घाटन भाषण का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 22 DEC 2020 6:25PM by PIB Delhi

नमस्कार,

कैबिनेट के मेरे सहयोगी डॉ. हर्षवर्धन जी, विभागीय नेशनल प्रेसिडेंट डॉ. विजय भटकर जी, सम्माननीय वैज्ञानिकगण, देवियों और सज्जनों।

त्योहार, उत्सव, festival, ये भारत का करेक्टर भी हैं और भारत का temperament भी हैं और भारत के tradition भी हैं। आज के इस festival में हम साइंस को celebrate कर रहे हैं। हम उस human spirit को भी Celebrate कर रहे हैं जो हमें लगातार Innovate करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

Friends

India has a rich legacy in science, technology and innovation. Our scientists have done path breaking research. Our tech industry is at the fore-front of solving global problems. But, India wants to do more. We look at the past with pride but want an even better future.

साथियों,

इसके लिए भारत Basics पर जोर दे रहा है। आप सभी से बेहतर ये कौन जानता है कि Scientific Temper develop करने के लिए बचपन से बेहतर समय क्या हो सकता है। आज भारत के Education System में Structural Reforms किए जा रहे हैं, ताकि किताबी ज्ञान से आगे निकलकर Spirit of enquiry को बढ़ावा मिले। 3 दशक के लंबे समय के बाद देश को National Education Policy मिल चुकी है। इस policy से Education Sector का focus ही बदल गया है।

पहले Outlays पर focus था अब Outcomes पर है। पहले Textbook की पढ़ाई पर focus था, अब Research और Application पर है। नई National Education Policy एक ऐसा माहौल देश में बनाने पर भी focus कर रही है जिससे Top Quality Teachers का एक Pool देश में तैयार हो सके। ये approach हमारे नए और उभरते Scientists को भी मदद करेगी, Encourage करेगी।

देवियों और सज्जनों, Education Sector में जो ये बदलाव किए जा रहे हैं, इनको Complement करने के लिए Atal Innovation Mission भी शुरू किया गया है। ये मिशन Enquiry को, Enterprise को, Innovation को एक प्रकार से Celebrate करता है। इसके तहत देशभर के अनेक स्कूलों में Atal Tinkering Labs तैयार किए जा रहे हैं, जो Innovation के नए Playgrounds सिद्ध हो रहे हैं। इन Labs से हमारे स्कूलों में साइंस से जुड़ा Infrastructure बेहतर हो रहा है। Higher Education में Atal Incubation Centres तैयार किए जा रहे हैं, ताकि देश में R&D से जुड़ा Ecosystem बेहतर हो। इसी तरह ज्यादा और बेहतर इंजीनियरिंग कॉलेज, ज्यादा IITs बनाने पर भी बल दिया जा रहा है।

साथियों,

Quality Research के लिए सरकार Prime Minister's Research Fellowship Scheme को भी चला रही है। इसका लक्ष्य है कि जो देश का Best Talent है, उसे अपनी पसंद की Research करने में और सुविधा मिले। देश की सभी IITs, सभी IISERs, बेंगलुरु के Indian Institute of Science और कुछ Central Universities और NITs में ये स्कीम Students को काफी आर्थिक मदद दे रही है। देश के अन्य recognised institute और University में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं को इसका लाभ मिल सके, इसके लिए 6-7 महीने पहले Scheme में कुछ बदलाव भी किए गए हैं।

साथियों,

बीते कुछ महीनों से मेरी अनेक Scientists से चर्चा हुई है। हाल में ही भारत ने वैभव Summit भी Host की है। महीनेभर चली इस Summit में पूरी दुनिया से भारतीय मूल के वैज्ञानिकों और researchers को एक मंच पर इकट्ठा किया गया। इसमें करीब 23 हजार साथियों ने हिस्सा लिया। 700 घंटों से भी ज्यादा की Discussions हुई। मेरी भी अनेकों Scientists से बातचीत हुई। इस बातचीत में ज्यादातर ने दो चीजों पर बल दिया। ये दो बातें हैं- Trust और Collaboration. देश आज इसी दिशा में काम कर रहा है।

All our efforts are aimed at making India the most trustworthy centre for scientific learning. At the same time, we want our scientific community to share and grow with the best of global talent. No wonder India has become very active in hosting and participating in Hackthons. They are held in India and abroad. It gives both exposure and opportunity to our scientists.

साथियों,

Science और Technology तब तक अधूरी है, जब तक इसका Benefit और Access हर किसी के लिए संभव ना हो। बीते 6 साल में युवाओं को अवसरों से कनेक्ट करने के लिए देश में Science and Technology के उपयोग का विस्तार किया है। Science and Technology अब भारत में अभाव और प्रभाव की खाई को भरने का एक बड़ा Bridge बन रही है। इसकी मदद से पहली बार गरीब से गरीब को भी सरकार के साथ, सिस्टम के साथ सीधा जोड़ा है। Digital Technology से सामान्य भारतीय को ताकत भी दी है और सरकारी सहायता की सीधी, तेज़ Delivery का भरोसा भी दिया है। आज गांव में Internet Users की संख्या शहरों से ज्यादा हो चुकी है। गाँव का गरीब किसान भी digital payment कर रहा है! आज भारत की एक बड़ी आबादी Smartphone आधारित apps से जुड़ चुकी है। आज भारत Global High-tech Power के Evolution और Revolution, दोनों का centre बन रहा है।

साथियों,

भारत अब विश्व स्तरीय शिक्षा, स्वास्थ्य, connectivity, गरीब से गरीब तक, गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए High-tech Solutions बनाने और अपनाने के लिए तत्पर है। भारत के पास High-tech Highway के लिए Data, Demography, Demand और इन सबको संभालने के लिए, संतुलन और संरक्षण देने के लिए Democracy भी है। इसलिए दुनिया आज भारत पर इतना भरोसा कर रही है।

साथियों,

हाल में Digital India अभियान का और विस्तार करने के लिए PM-Wani Scheme की शुरुआत की गई है। इससे पूरे देश में public space में, सबके लिए, quality Wi-Fi connectivity संभव हो जाएगी। इसका सीधा लाभ Science को भी होगा क्योंकि देश के गांव का युवा भी दुनिया की best scientific knowledge को आसानी से हासिल कर पाएगा।

साथियों,

हमारे देश में Water Scarcity, Pollution, Soil Quality, Food Security जैसी अनेक चुनौतियां हैं जिनका आधुनिक हल Science के पास है। हमारे समंदर में जो Water, Energy और Food का खजाना है, उसे तेजी से Explore करने में भी Science की बड़ी भूमिका है। जिस तरह हमने Space के sector में सफलता पाई, वैसे ही हमें Deep Sea के

क्षेत्र में भी सफलता पानी है। भारत इसके लिए Deep Ocean Mission भी चला रहा है।

साथियों,

Science में जो कुछ हम नया हासिल कर रहे हैं इसका लाभ हमें Commerce में, व्यापार-कारोबार में भी होगा। अब जैसे Space Sector में reforms किए गए हैं। इससे हम अपने युवाओं को, देश के Private Sector को भी आसमान ही नहीं असीम अंतरिक्ष की बुलंदियां छूने के लिए Encourage कर रहे हैं। जो नई Production Linked Incentive Scheme है, इसमें भी Science और Technology से जुड़े sectors पर focus रखा गया है। ऐसे कदमों से Scientific Community को बल मिलेगा, Science और Technology से जुड़ा Ecosystem बेहतर होगा। इससे innovation के लिए ज्यादा Resources Generate होंगे। इससे साइंस और इंडस्ट्री के बीच पार्टनरशिप का एक नया कल्चर तैयार होगा। चाहे Hydrogen Economy हो, Blue Economy हो, या फिर Artificial Intelligence का उपयोग हो, नए Collaborations से नए रास्ते निकलेंगे। मुझे विश्वास है कि ये Festival, Science और Industry के बीच Spirit of Coordination और Collaboration को नए आयाम देगा।

Currently, the biggest challenge facing science may be a vaccine for COVID pandemic. However, this is a challenge for now. The biggest long term challenge science faces is to attract high quality youngsters and retain them. Often, the domain of technology and engineering seems more attractive to the youth than pure science. However, for any country to develop, it needs science to power it. Because, as they say: what is called science today, becomes the technology of tomorrow and an engineering solution later.

So, the cycle must start with attracting good talent into our science domain. For this, the government has announced scholarships at various levels. But it needs a big out-reach from within the science community as well. The excitement surrounding Chandrayaan Mission was a great starting point. We saw lot of interest from youngsters. Our future scientists will come from there. All we need to do is inspire them.

Friends,

Through this gathering I want to invite the global community to invest in Indian talent and innovate in India. India has the brightest minds. India celebrates a culture of openness and transparency. The Government of India stands ready to address any challenge and improve the research environment here.

साथियों,

विज्ञान, व्यक्ति के अंतर के सामर्थ्य को, व्यक्ति के भीतर जो भी Best है, उसे बाहर लाता है। यही Spirit हमने कोविड वेक्सीन के लिए काम करने वाले हमारे वैज्ञानिकों में देखी है। हमारे वैज्ञानिकों ने कोरोना के विरुद्ध लड़ाई में हमें आगे रखा है, बेहतर स्थिति में रखा है।

साथियों,

दो हजार वर्ष पूर्व महान तमिल संत और समाज सुधारक थिरुवल्लूवर जी जो सूत्रवाक्य, जो मंत्र दे गए थे, वो आज भी उतने ही सटीक हैं, relevant हैं। उन्होंने कहा था- 'In sandy soil, when deep you delve, you reach the springs below; The more you learn, the freer streams of wisdom flow.' यानि रेतीली धरती में जितना गहरा आप खोदते जाएंगे, एक दिन पानी तक जरूर पहुंचेंगे। ठीक वैसे ही जैसे आप जितना ज्यादा सीखते जाएंगे एक दिन ज्ञान के, बुद्धिमत्ता के प्रवाह तक जरूर पहुंचेंगे।

मेरा आप सभी से आग्रह है, सीखने की इस प्रक्रिया को, learning के process को कभी मत रुकने दीजिए। जितना आप सीखेंगे, जितना आप अपनी skills को develop करेंगे, उतना ही आप का भी विकास होगा और देश का भी। यही spirit आगे समृद्ध होती रहे। Science भारत के, पूरी दुनिया के विकास को ऊर्जा देती रहे। इसी कामना, इसी

विश्वास के साथ आप सभी को बहुत शुभकामनाएं!

Thank you. Thank you very much.

\*\*\*

डीएस/एसएच/एनएस

(रिलीज़ आईडी: 1682775) आगंतुक पटल : 253

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: Assamese , English , Urdu , Marathi , Manipuri , Bengali , Punjabi , Gujarati , Odia , Tamil , Telugu , Kannada , Malayalam